नई दिल्ली ■ मंगलवार 05 मई 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 37 ■ पृष्ठ 08

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 नए निर्यात बाजारों में बढ़ता भारत | 07 जयशंकर ने जमैका को उपहार में दिए गए इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड का अनावरण किया | जाह्नवी कपूर की 'लग जा गले' में देरी 08

भगवामय हुआ बंगाल, विस चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

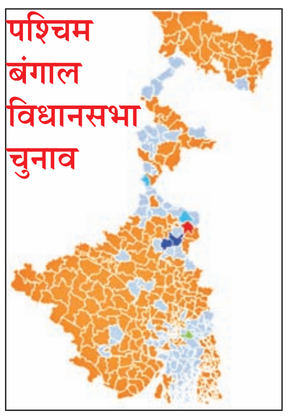

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है। देर रात तक आए नतीजों और रुझानों में भाजपा पूर्ण बहुमत के आंकड़े से काफी आगे निकलती दिखी।

293 सीटों के नतीजों और रुझानों के मुताबिक भाजपा अब तक 187 सीटें जीत चुकी है और करीब 20 सीटों पर आगे चल रही है जबकि तृणमूल कांग्रेस 42 सीटों पर विजयी हो चुकी है और 14 सीटों पर बढ़त बनाये हुए है। इसके अलावा आम जनता उन्नयन पार्टी और कांग्रेस दो-दो सीटों पर बढ़त बनाये हुए है जबकि आल इंडिया सेक्युलर फ्रंट तथा मार्कसवादी कम्यूनिष्ट पार्टी एक-एक सीट पर आगे चल रही है।

देर रात आए परिणामों में शुभेंदु अधिकारी ने भवनीपुर सीट से ममता बनर्जी को 15114 वोटों से हरा दिया जबकि दिन भर चले रूझानों में वह ममता से पीछे चल रहे थे।

अब तक प्राप्त नतीजों में भाजपा को पूर्व बर्धमान की मंतेश्वर और भातार, पश्चिम बर्धमान की आसनसोल दक्षिण तथा अलीपुरद्वार जिले की कालिमपांग, दार्जिलिंग, मेदिनिपुर, बुरवान, खड़दह, जगतवल्लभपुर, रानीबांध और जामुड़िया सीटों पर जीत मिली है जबकि तृणमूल को मुर्शिदाबाद जिले की भगवानगोला, मालदा की सुजापुर तथा कोलकाता की मेटियाब्रुज सीटों पर कामयाबी मिली है।

चुनाव आयोग के अनुसार, मंतेश्वर सीट पर भाजपा के सैकत पांजा ने राज्य के पूर्व मंत्री और तृणमूल उम्मीदवार सिद्दिकुल्ला को 14,798 मतों से पराजित किया जबकि भातार सीट से भाजपा के कारफा सौमेन 6,528 मतों से विजयी घोषित किये गये हैं। उधर, पश्चिम बर्धमान की आसनसोल दक्षिण सीट से भाजपा की अग्निमित्रा पाल ने 40,839 मतों के भारी अंतर से जीत हासिल की है जबकि कालिपांग सीट से भाजपा के भरत कुमार छेत्री 21,464 मतों से विजयी घोषित किये गये हैं। मेदिनिपुर सीट से पार्टी उम्मीदवार शंकर कुमार गुछैत ने 38747 मतों से जीत हासिल की।

उधर दार्जिलिंग से नौमान राय 6057 मतों से विजयी घोषित किये गये हैं। वहीं, तृणमूल को मुर्शिदाबाद की भगवानगोला सीट पर कामयाबी मिली है जहां पार्टी के उम्मीदवार रेयात हुसैन सरकार ने 56,407 वोटों से जीत दर्ज की है।

तमिलनाडु में टीवीके विजय की ओर, भाजपा ने इसे द्रमुक के खिलाफ नाराजगी बताया

नई दिल्ली। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के रुझान में एक बड़ा उलफेर सामने आया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अपनी सीट से हार गए हैं। रुझानों में तमिलगा वेत्री कजगम (टीवीके) के नेता दक्षिण भारतीय सुपरस्टार 'थलपति' विजय की पार्टी को 100 से अधिक सीटों पर जीत मिलती दिखाई दे रही है। इसपर भाजपा नेता जीवीएल नरसिम्हन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह नतीजे साफ दर्शाते हैं कि किस तरह से तमिलनाडु की जनता सत्तारुढ़ पार्टी से नाराज थी। राज्य की जनता ने द्रमुक के पिछले पांच साल के कार्यकाल के खिलाफ वोट किया है। मीडिया से बातचीत में जीवीएल ने कहा कि तमिलनाडु की जनता लंबे से समय से द्रमुक सरकार के खिलाफ मन बना चुकी थी। भाजपा ने अन्नाद्रमुक के साथ द्रमुक के खिलाफ चुनाव लड़ा। जनता टीवीके के विजय को सबसे ज्यादा सीटें लाने वाली पार्टी बना रही है। वहां किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। वहां जो भी सरकार बनेगी वो केन्द्र सरकार के साथ मिलकर राज्य के विकास पर करेगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में केन्द्र सरकार के साथ सहयोग करने वाली सरकार बनेगी, क्योंकि द्रमुक की सरकार ने केन्द्र के साथ लगातार लड़ झगड़कर सरकार चलाई। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान संसद के विशेष बैठक में द्रमुक ने केन्द्र सरकार के ऊपर कीचड़ उछालने की कोशिश की।महिला आरक्षण विधेयक को रोकने का काम किया। जनता ने द्रमुक को जवाब दे दिया है।

असम में भाजपा को अपने दम पर मिला पूर्ण बहुमत

गुवाहाटी। असम प्रदेश विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा को अकेले दम पर पूर्ण बहुमत मिल गया है। भाजपा लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनाने जा रही है। हालांकि भाजपा गठबंधन के तहत चुनावी में उतरी थी। भाजपा अकेले राज्य की 126 में से 82 सीटें जीत चुकी है, जबकि एक सीटों पर अभी भी आगे चल रही है। ऐसे में भाजपा 82 सीटें जीतती हुई दिखाई दे रही है। उल्लेखनीय है कि भाजपा अगप, बीपीएफ के साथ मिलकर चुनाव मैदान में उतरी थी। भाजपा की सहयोगी पार्टी अगप 10 सीटें जीत चुकी है। बीपीएफ भी 7 सीटें जीत चुकी है, जबकि 3 सीटों पर आगे चल रही है। ऐसे में भाजपा और सहयोगी पार्टियों को 102 सीटें मिलती दिखाई दे रही है। वहीं, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस 19 सीटें जीत चुकी है, जबकि एआईयूडीएफ 1 सीट जीत चुकी है तथा 1 सीट पर आगे चल रही है। राइजर दल एक सीट जीत चुकी है तथा 1 सीट पर आगे चल रही है।

पुडुचेरी में भाजपा गठबंधन को पूर्ण बहुमत

पुदुचेरी। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की 30 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव की मतगणना जारी है। शुरुआती रुझानों के अनुसार सत्तारूढ़ एन. रंगासामी के नेतृत्व वाली एनआर कांग्रेस–भाजपा गठबंधन 18 सीटों पर आगे चल रही है, जिससे उसकी सत्ता में वापसी की संभावना मजबूत हो गई है। वहीं, नवगठित तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने 2 सीटें जीतकर राजनीतिक हलकों में ध्यान आकर्षित किया है। डीएमके को यहां 5 सीटें मिली है। सबसे अहम राजनीतिक घटनाक्रम तट्टांचावडी विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिल रहा है, जहां मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नेयम मक्कल कज़गम के ई. विनयगम पर 4,441 वोटों के अंतर से निर्णायक बढ़त बना ली है। इस सीट पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वैद्यलिंगम का प्रदर्शन कमजोर रहा और वे चौथे स्थान पर खिसक गए। रुझानों के आधार पर एनआर कांग्रेस–भाजपा गठबंधन की सरकार बनने की लगभग तय मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह जीत एन. रंगासामी के नेतृत्व को और मजबूत करती है तथा पुडुचेरी की राजनीति में उनके प्रभाव को दोबारा स्थापित करती है। तट्टांचावडी सीट को राज्य की महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित सीटों में गिना जाता है, इसलिए यहां की जीत का राजनीतिक महत्व और भी बढ़ गया है।

केरल के रुझानों में यूडीएफ की जीत, जीत का श्रेय राहुल गांधी को दिया

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की मतगणना के रुझानों में केरल में कांग्रेस-नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) निर्णायक बढ़त बनाए हुए है। दिल्ली के कांग्रेस कार्यालय में जश्न का माहौल है। राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केक काटकर जीत का जश्न मनाया। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि जनता ने कांग्रेस-नीत यूडीएफ पर भरोसा जताया है। यह वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की हार है, जिसने 10 वर्षों तक शासन किया। यह जीत कांग्रेस, यूडीएफ और राहुल गांधी की है। जिस तरह कांग्रेस ने केरल में एकजुट होकर संघर्ष किया, यदि यही पूरे देश में हो तो कांग्रेस को कोई नहीं हरा सकता। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि एलडीएफ के दस साल के शासन में रोजगार के अवसर नहीं बने, जिसके कारण युवा राज्य छोड़कर बाहर जा रहे हैं। जनता ने साफ कर दिया कि वह बदलाव चाहती है। कांग्रेस निवेश वापस लाने और राज्य की भलाई के लिए काम करेगी। कांग्रेस सांसद के सुरेश ने कहा कि जीत का श्रेय हमारे नेता राहुल गांधीी जाता है। गठबंधन का नेता विधायकों की बैठक में लिया जाएगा। इसके बाद विधायक तिरुवनंतपुरम में बैठक करेंगे और सहयोगी दलों से चर्चा होगी। आगे की प्रक्रिया कांग्रेस हाईकमान तय करेगा। कांग्रेस को चुनाव में 63 सीटें मिलह जबकि उसके सहयोगी आईयूएमएल को 22 सीटों पर विजय मिली। केईपी को 7 सीटें हासिल हुई। अब हमें जनता के प्रति जवाबदेह रहना होगा और अपनी गारंटियों को लागू करना होगा। केरल की जनता ने एलडीएफ को करारा जवाब दिया है। इस बीच हरियाणा के पंचकुला में कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बंगाल में कांग्रेस कहीं नहीं थी, असम में हम दूसरे स्थान पर थे और वहीं रहेंगे, लेकिन केरल में कांग्रेस ने काम किया है।

बंगाल में जनशक्ति की जीत हुई, असम में शानदार जनादेश : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में जनशक्ति की जीत हुई है और भाजपा की सुशासन की राजनीति विजयी हुई, जबकि असम में राजग की जीत विकास और जन-कल्याण की राजनीति के प्रति जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

मोदी ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि बंगाल में जनता-जनार्दन ने भाजपा को अभूतपूर्व जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। हमारी डबल इंजन सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसर और सम्मान सुनिश्चित करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कमल खिल उठा है! वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अविस्मरणीय रहेंगे। जनशक्ति की जीत हुई है और भाजपा के सुशासन की राजनीति को यहां (बंगाल) के लोगों का भरपूर आशीर्वाद मिला है। इस ऐतिहासिक विजय के लिए बंगाल के अपने भाई-बहनों का हृदय से आभारी हूं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की यह रिकॉर्ड जीत हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं के दशकों के अथक प्रयास और संघर्षों का परिणाम है। मैं उन सभी को नमन करता हूं। उन्होंने जमीनी स्तर पर निरंतर कड़ी मेहनत की है और अनेक चुनौतियों का सामना किया।

उन्होंने हमारे विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाया है। वे हमारी पार्टी की असली ताकत हैं। असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिली जीत पर प्रधानमंत्री ने कहा कि असम ने एक बार फिर भाजपा-राजग को अपना भरपूर आशीर्वाद दिया है! उन्होंने कहा कि असम विधानसभा चुनावों में भाजपा-राजग की यह जीत विकास और जन-कल्याण की राजनीति के प्रति जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

मोदी ने कहा कि मैं इस प्रचंड जनादेश के लिए असम के अपने परिवारजनों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हम राज्य के चौतरफा विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा-राजग के सभी कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई देता हूं, जिन्होंने असम की भीषण गर्मी के बीच भी दिन-रात कड़ी मेहनत की। यह देखकर बहुत खुशी होती है कि पिछले एक दशक में हमारी पार्टी और गठबंधन राज्य में काफी सशक्त हुआ है। उनके प्रयासों ने सुनिश्चित किया है कि हमारा सकारात्मक एजेंडा असम के लोगों के दिलों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री ने राजग को एक और जीत दिलाने के लिए पुडुचेरी की जनता को भी धन्यवाद दिया। केरल विधानसभा चुनावों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दक्षिणी राज्य में भाजपा-राजग को वोट देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम केरल की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते रहेंगे और 'विकासशील केरल' के सपने को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। मैं केरल विधानसभा चुनावों में यूडीएफ की जीत पर उसे बधाई देता हूं। केंद्र सरकार केरल के लोगों की विकास संबंधी आकांक्षाओं का हमेशा समर्थन करती रहेगी।

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में राजग का समर्थन करने वाले राज्य के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मोदी ने कहा कि (राज्य में अन्नाद्रमुक नीत राजग) गठबंधन हमेशा लोगों की समस्याओं के समाधान और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में अग्रणी रहेगा।

उत्तर प्रदेश में हुए सड़क हादसों में 18 लोगों की मौत, 27 घायल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसों पर जताया दुख

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सोमवार का दिन सड़क हादसों के लिहाज से बहुत दुःखद रहा। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में हुए हादसों में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 27 लोग घायल हैं। अंबेडकर नगर में हुए दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई, वहीं जालौन में अयोध्या से दर्शन करके लौट रहे कार सवार एक ही परिवार के छह लोगों की जान चली गई।

इसके अलावा रायबरेली, बुलंदशहर, बस्ती और फतेहपुर जिले में हुए दुर्घटनाओं में एक-एक लोगों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन दुर्घटनाओं में हुई जनहानि पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जाए। जालौन जिले के झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर कालपी कोतवाली क्षेत्र के 84 गुंबद नामक स्थान के पास सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार टवेरा कार ने पीछे से ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

ये सभी अयोध्या से दर्शन करके वापस लौट रहे थे। मृतकों में ललितपुर के महरौनी निवासी शशिकांत तिवारी, कृष्णकांत नायक, दीपक तिवारी, हरिमोहन तिवारी, भूषण तिवारी और अंशुल तिवारी शामिल हैं। अन्य चार घायल हैं। प्राथमिक जांच में चालक को नींद आना हादसे का कारण नजर आ रहा है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। इसी तरह अंबेडकरनगर जिले के जलालपुर थाना इलाके में रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में दो भाई समेत आठ लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने सभी मृतकों की पहचान कर ली। मृतकों में अंबेडकरनगर के लोरपुर ताजन/सैदापुर निवासी कैफी (32), सेमरा कटका निवासी उत्तम कुमार (24), जैनापुर निवासी आदित्य कुमार (25) उसका भाई दिव्यांशू (22), पट्टी मुइथन निवासी लालचंद (24), सिकंदरपुर सम्मनपुर निवासी राजू गुप्ता (32), साहिल (28) और इंद्रेश (30) शामिल हैं। रायबरेली जनपद में सलोन थाना क्षेत्र से गुजरने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ़्तार लोडर ने रविवार की देर रात एक ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई।

बिहार के तीन जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 12 की मौत

पटना। बिहार में सोमवार शाम तेज आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन जिलों में कुल 12 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा पूर्वी चंपारण में 05, गया जी में 04 और औरंगाबाद में 03 लोगों की मौत हो गई। इस घटना पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

आपदा प्रबंधन विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पूर्वी चंपारण जिले में एक घंटे की बारिश ने भारी तबाही मचाई है। तेज आंधी बारिश से मोतिहारी में 5 लोगों की मौत हो गयी है। जिले में पहली घटना सुगौली थाना क्षेत्र के कैथवलिया गांव स्थित बगीचे की है जहां आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई।

भारत ने एक हफ्ते में दूसरी बार किया लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण

एलआर-एसएचएएम को भारत के समुद्री तटों पर तैनात किया जाएगा

नई दिल्ली। भारत ने एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार ओडिशा तट पर लंबी दूरी की हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल का परीक्षण किया है। इस मिसाइल ने 1,500 किमी. की रेंज में निर्धारित लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाकर समुद्र में देश की सुरक्षा बढ़ाने में बड़ी उपलब्धि दिलाई।

डीआरडीओ ने पिछले सप्ताह 02 मई को भी ओडिशा तट पर इसी लंबी दूरी की हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल का परीक्षण किया था। इस टेस्ट ने मिसाइल के उन्नत टर्मिनल मार्गदर्शन प्रणाली की सटीकता को साबित कर दिया। इसने लॉन्च से लेकर आखिरी असर तक मिशन के सभी लक्ष्यों को पूरा किया, जिसमें बीच रास्ते में किए गए दांव-पेच और लगातार तेज रफ्तार से उड़ान भरना भी शामिल था। इस लॉन्ग रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (एलआर-एसएचएएम) को भारत के समुद्री तटों पर तैनात किया जाएगा। यह स्वदेशी दो-चरणों वाला सॉलिड-प्रोपेल हाइपरसोनिक ग्लाइड हथियार है, जिसे भारतीय नौसेना के लिए विकसित किया गया है।

यह अपनी तरह का पहला और एक शक्तिशाली हथियार है, जो हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की क्षमताओं को बढ़ाता है। यह एक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल है, जो कम ऊंचाई पर कई बार उछलते हुए एक अर्ध-बैलिस्टिक मार्ग का अनुसरण करती है, जिससे यह अपनी उड़ान के अधिकांश समय तक रडार की पकड़ से बची रहती है।

यह अपने अंतिम चरण में अत्यधिक सटीकता सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित सेंसर का उपयोग करते हुए स्थिर और गतिशील दोनों तरह के लक्ष्यों को निशाना बना सकती है।

संक्षिप्त खबरें

ग्रेटर नोएडा की यूनिवर्सिटी में शर्मनाक रैगिंग—जूनियर्स को पीटने का वीडियो वायरल

ग्रेटर नोएडा। बैनेट यूनिवर्सिटी में रैगिंग को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं, जहां सीनियर छात्राओं के एक समूह पर जूनियर छात्राओं के साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया है। इस घटना से कैंपस में तनाव और दहशत का माहौल बन गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कथित तौर पर कुछ छात्राओं को थप्पड़ मारते, गाली-गलौज करते और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए देखा जा रहा है। आरोप यह भी है कि इस दौरान जूनियर छात्राओं के परिवार को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। मामला सामने आने के बाद छात्र-छात्राओं और अभिभावकों में गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि यह केवल रैगिंग नहीं, बल्कि खुलेआम उत्पीड़न और अनुशासनहीनता का गंभीर मामला है। कई छात्राओं ने असुरक्षा की भावना जताते हुए कैंपस में डर का माहौल होने की बात कही है। फिलहाल यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से मामले की जांच की बात कही जा रही है, वहीं छात्र संगठनों ने आरोपियों पर तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस से भी मामले में हस्तक्षेप और जांच की मांग उठ रही है। घटना ने एक बार फिर कैंपस सुरक्षा और रैगिंग रोकने के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि जांच के बाद दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है और पीड़ित छात्राओं को न्याय कब तक मिलता है।

अव्यवस्थित पार्किंग पर जुर्माना लगाने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित हिमालयन प्राइड सोसाइटी में अव्यवस्थित तरीके से वाहन खड़े करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा। इसे लेकर अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) तैयारी कर रहा है। एओए अध्यक्ष सीमा ने कहा कि कई बार लोग पीछे की ओर वाहनों को गलत तरीके से खड़ा कर देते हैं, जिससे रास्ता बाधित हो जाता है। ऐसे में आग लगने की घटना के दौरान दमकल विभाग की गाड़ियों को टावरों तक पहुंचने में दिक्कत हो सकती है। रविवार को सोसाइटी के एक टावर में फ्लैट में पूजा घर में दीपक से आग लग गई। परिवार सुबह पूजा करने के बाद फ्लैट बंद कर बाहर चला गया था। कुछ देर बाद दीपक से आसपास रखा सामान सुलग गया और आग फैलने लगी। हालांकि, लोगों की सूचना पर मेंटेनेंस टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ लोग ओपन एरिया में अव्यवस्थित तरीके से कार और बाइक खड़ी कर देते हैं। इससे रास्ता संकरा हो जाता है और आवाजाही प्रभावित होती है। एओए का कहना है कि जल्द ही इस विषय पर निर्णय लेकर नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बावजूद कोई नियमों का उल्लंघन करता है तो कार्रवाई की जाएगी।

यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मारी थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से अलीगढ़ में खैर के रहने वाले राजेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा श्रीओम 26 अप्रैल को अलीगढ़ से बाइक पर सवार होकर गाजियाबाद जा रहा था। वह यमुना एक्सप्रेसवे पर जीरो प्वाइंट के समीप पहुंचा तो किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल श्रीओम को एक्सप्रेसवे के कर्मचारियों ने नजदीक के अस्पताल में भर्ती करवाया। अस्पताल में उपचार के दौरान दो मई को श्रीओम की मौत हो गई। राजेंद्र सिंह ने इस मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। सेक्टर बीटा दो कोतवाली प्रभारी का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज देखी जा रही है। अज्ञात वाहन का पता लगाकर आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सिरसा-खेरली मार्ग की चौड़ाई बढ़ेगी, होगी तीन लेन

ग्रेटर नोएडा। शहर के सिरसा गोलचक्कर से खेरली नहर तिराहे तक की सड़क की चौड़ाई बढ़ाकर तीन लेन करने का काम तेज कर दिया गया है। इस काम को एक साल में पूरा करने का लक्ष्य है। इससे दनकौर-सिकंद्राबाद मार्ग पर पहुंचना आसान हो जाएगा। साथ ही, जाम की समस्या से राहत मिल जाएगी। वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह ने बताया कि भीड़भाड़ वाले स्थानों पर डिवाइडर बनाए जाने की योजना है, ताकि लोग गलत दिशा में वाहन न चला सकें। सिरसा से खेरली नहर के पास दनकौर-सिकंद्राबाद मार्ग को जोड़ने वाली इस सड़क पर सुबह से लेकर रात तक वाहनों की आवाजाही लरहती है। दनकौर क्षेत्र के गांवों को जाने के लिए महत्वपूर्ण सड़क होने की वजह से काम की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है।

पुलिस मुठभेड़ : साथी लुटेरा गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना बीटा- दो में पुलिस ने बीती रात को एक मुठभेड़ के दौरान शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी । पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया । इसके पास से पुलिस ने लूटी हुई सोने की चेन, देशी तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त होने वाली मोटरसाइकिल बरामद की है। उक्त बदमाश के ऊपर पूर्व में 14 मुकदमे दर्ज है। अपर पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने बताया कि थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ रविवार की देर रात को गस्त पर थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि कुछ बदमाश लूटपाट करने की नीयत से मोटरसाइकिल पर सवार होकर थाना क्षेत्र में घूम रहे हैं। पुलिस ने बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए बैरियर लगाकर चेकिंग शुरू की। गामा- दो सेक्टर के गेट नंबर- 3 के पास दो बदमाश बाइक पर सवार होकर आते हुए दिखाई दिए। शक होने पर पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाश रुकने की बजाए पुलिस पार्टी पर जान से मारने की गोली नियत से गोली चलाते हुए मौके से भागे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली सोनू श्रीवास्तव पुत्र तुलसी के पैर में लगी और वह घायल हो गया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बदमाश का एक साथी मोनू श्रीवास्तव मौके से भाग गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। उक्त बदमाश के पास से पुलिस ने एक देशी तमंचा, घटना में प्रयुक्त होने वाली चोरी की मोटरसाइकिल, लूटी गई सोने की चेन आदि बरामद किया है।

मुठभेड़ के दौरान घायल बदमाश के खिलाफ पूर्व में लूटपाट, हत्या के प्रयास, चोरी सहित विभिन्न धाराओं में पूर्व में 14 मुकदमे दर्ज हैं। यह कई बार पुलिस द्वारा गिरफ्तार हो चुका है।

एक सप्ताह से लापता किसान का शव खुर्जा नहर में मिला

ग्रेटर नोएडा। पाली गांव से पांच दिन पहले संदिग्ध हालात में घर से लापता किसान का शव बुलंदशहर जिले के खुर्जा देहात थाना क्षेत्र की एक नहर से बरामद हुआ। परिजनों ने हत्या कर शव नहर में फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सूरजपुर थाना प्रभारी ने बताया कि पाली गांव में 55 वर्षीय किसान कृष्ण कुमार परिवार के साथ रहते थे। कृष्ण कुमार 29 अप्रैल को घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। परिजनों ने इस मामले में 30 अप्रैल को सूरजपुर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज करवाई। पुलिस ने गुमशुदा की तलाश शुरू की तो वह 29 अप्रैल की शाम के समय सीसीटीवी फुटेज में दादरी तिराहे पर अकेले जाते दिखाई दिए थे। इसके बाद लाल कुआं गाजियाबाद में बस से उतरते दिखाई दिए। इसके बाद एक मई को गुमशुदा कृष्ण कुमार का थाना खुर्जा देहात जिला बुलंदशहर क्षेत्र में एक नहर से शव बरामद हुआ। खुर्जा पुलिस ने सूरजपुर पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की। परिजनों का आरोप है कि कृष्ण की हत्या कर शव नहर में फेंका गया। उनके शरीर पर चोट के निशान थे। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मृतक की किसी भी व्यक्ति से दुश्मनी या रंजिश होने की बात अब तक सामने नहीं आई। पुलिस भी तथ्यों की जांच कर रही है।

बंगाल में भय के खिलाफ भरोसे की जीत : डॉ. महेश शर्मा

नोएडा। सांसद और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव परिणाम भय के खिलाफ भरोसे की जीत है। चुनाव परिणाम आने से पहले तक पार्टी के कार्यकर्ता भयभीत थे, पर रूझान आने के साथ ही माहौल बदलता चला गया। डॉ. महेश शर्मा पिछले 42 दिनों से पश्चिम बंगाल के प्रवास पर थे। उन्हें पार्टी ने इलेक्शन कमीशन रिलेशन का पूरे प्रदेश का इंचार्ज बनाया गया था। वह चुनाव आयोग से सामंजस्य स्थापित कर पार्टी प्रत्याशियों की शिकायतों और समस्याओं को चुनाव आयोग तक पहुंचाकर उनका समाधान कराने की जिम्मेदारी संभाले रहे थे। क्षेत्र में चुनाव प्रचार में भी सक्रिय थे। सोमवार को चुनाव परिणाम के बाद उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता त्रस्त थी और भय के साए में जी रही थी। मतगणना से कुछ घंटों पहले तक भाजपा के कार्यकर्ता भी डरे हुए थे। उनके मन में विपक्ष के अत्याचार को लेकर भय था। हालांकि, चुनाव परिणाम आने के साथ ही कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ गया। सांसद ने कहा कि यह पश्चिम बंगाल के लोगों के विश्वास की जीत है, उन्होंने पश्चिम बंगाल में नया इतिहास लिखा है। भाजपा के राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने कहा कि पश्चिम बंगाल के साथ ही असम और पुडुचेरी में भी पार्टी सरकार बना रही है। तीनों राज्यों में भाजपा का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने ममता बनर्जी के शासन को नकार दिया है और विकास के लिए भाजपा को चुना है। पश्चिम बंगाल में भय के माहौल का अंत हुआ और एक नए सुशासन की शुरुआत हुई है। डबल इंजन की सरकार वहां पर विकास के नए आयाम स्थापित करेगी।

अलग थाना क्षेत्रों में तीन ने की आत्महत्या

चार की संदिग्ध अवस्था में मौत

नोएडा। नगर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बीती रात तीन लोगों ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर ली है। इसके अलावा चार अन्य लोगों की संदिग्ध अवस्था में मौत हुई। पुलिस मामलों की जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के छपरौली गांव में रहने वाले नागेंद्र चतुर्वेदी पुत्र अश्विनी चतुर्वेदी मूल निवासी जनपद कुशीनगर उम्र 33 वर्ष ने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना फेस दो क्षेत्र में ही रहने वाले अभिषेक पुत्र सर्वेश कुमार निवासी गांव इलाहाबास ने अपने घर पर मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर 126 क्षेत्र में रहने वाले संदीप उर्फ चिंटू पुत्र बधाई राम वर्मा मूल निवासी जनपद पन्ना मध्य प्रदेश उम्र 24 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर 49 क्षेत्र में रहने वाले नीलू प्रकाश उम्र 26 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। इसी तरह थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में रहने वाली नीलू पुत्र अमर सिंह उम्र 44 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर 49 क्षेत्र में रहने वाले श्यामवीर सिंह उम्र 67 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि थाना फेस-दो क्षेत्र के सेक्टर-93 में रहने वाले दीपक राम पुत्र शिव मंगल राम उम्र 43 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नशीले पदार्थ बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नोएडा। सेक्टर-126 थाने की पुलिस ने नशीले पदार्थ बेचने वाले संगठित रैकेट का पर्दाफाश कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से करीब 500 ग्राम विदेशी मादक पदार्थ ओजी (उच्च गुणवत्ता वाला गांजा) बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग सात से आठ लाख रुपये आंकी गई है। एसीपी प्रवीण सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सेक्टर-94 पुस्त रोड पर घेराबंदी कर दो संदिग्ध युवकों को पकड़ा गया। पूछताछ में उनकी पहचान गाजियाबाद के कौशांबी निवासी 26 वर्षीय शिवम कुंवर और सदरपुर निवासी 25 वर्षीय नितिन चौहान के रूप में हुई। आरोपियों से दो मोबाइल फोन, दो इलेक्ट्रॉनिक कांटे, एक कार और पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली पॉलिथीन और लिफाफे बरामद हुए। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी लंबे समय से नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में विदेशी मादक पदार्थ ओजी बेचते थे। यह गिरोह युवाओं को निशाना बनाता था। आरोपी इलेक्ट्रॉनिक तराजू की मदद से मादक पदार्थ को छोटे-छोटे हिस्सों में तौलते थे और फिर पारदर्शी पाउच और लिफाफों में पैक करते। पुलिस के मुताबिक आरोपी मुख्य रूप से पीजी, हॉस्टल और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास रहने वाले छात्रों और युवाओं को अपना ग्राहक बनाते। इन इलाकों में नशे की मांग अधिक होने के कारण उन्हें लगातार ऑर्डर मिलते और वे इससे मोटा मुनाफा कमाते। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने जिस कार को बरामद किया है, वह सप्लाई और डिलीवरी के लिए इस्तेमाल की जाती थी। आरोपी इसी वाहन के जरिए अलग-अलग स्थानों पर नशीले पदार्थ पहुंचाते थे। बरामद मोबाइल फोन की जांच से पुलिस को इस रैकेट के नेटवर्क और अन्य संभावित ग्राहकों और सप्लायरों के बारे में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गांजे की आपूर्ति के लिए कई व्हाट्सऐप ग्रुप बनाए गए हैं। सोशल मीडिया के अन्य माध्यम से भी ग्राहकों से संपर्क किया जाता। यहीं से ऑर्डर मिलता। नगदी मिलने के बाद ग्राहकों द्वारा बताए गए ठिकाने पर गांजे की खेप पहुंचा दी जाती। कई बार आपूर्ति के लिए स्थानीय राइडर की भी मदद ली जाती। इसमें उसका भी कमीशन निश्चित होता। दबोचे गए आरोपी बीते दो सालों से गांजा बेच रहे थे। पुलिस की जांच में सामने आया है कि ओजी गांजा उड़ीसा और आंध्रप्रदेश से दिल्ली आता है। इसे वाहनों और ट्रेनों में छिपाकर लाया जाता है। दिल्ली से गांजा अन्य शहरों में जाता है। इसे बेचने से तस्करों को तीन से पांच गुना तक मुनाफा होता है। गिरफ्त में आए आरोपी स्नातक हैं। दोनों के खिलाफ सेक्टर 126 थाने में भी केस दर्ज हुआ है। शहर में युवाओं को निशाना बनाकर नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा है, जिसे रोकने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह नेटवर्क कहां से संचालित हो रहा था और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी करने वालों को खाता उपलब्ध करवाने वाले दो गिरफ्तार

नोएडा। डिजिटल अरेस्ट करने वाले गिरोह से जुडे. दो आरोपितों को साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने बीती रात को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपित अपना खाता ठगों को देते थे जिसमें ठगी की राशि को ट्रांसफर किया जाता था। इसके लिए दोनों को अच्छी रकम भी मिलती थी। आरोपितों के मोबाइल बरामद करके पुलिस जरूरी साक्ष्य जुटाने में लगी है। डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि अलग-अलग शिकायतों के आधार पर टीम जांच कर रही थी। जिसके दौरान टीम ने पंजाब के लुधियाना के भावेश गुप्ता और हर्षित कुमार को गिरफ्तार किया। दोनों की आयु 21 वर्ष है। भावेश इंटरमीडिएट पास है और वह एक कंपनी में नौकरी करता है। हर्षित बीए का छात्र है और डिलीवरी ब्वाय का काम भी करता है। रुपये कमाने के चक्कर में दोनों साइबर ठगों के संपर्क में आ गए। साइबर ठग लोगों को डिजिटल अरेस्ट करते थे और उनसे ऐंठी जाने वाली राशि को ट्रांसफर करने के लिए दोनों आरोपितों का अकाउंट इस्तेमाल होता था। उन्होंने बताया कि एक दो नहीं बल्कि कई मामलों में आरोपितों ने अपना खाता साइबर ठगों को दिया था। जिसके लिए उन्हें कमीशन मिलता था। ठग स्वयं को सरकारी अधिकारी बताकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। इसी तरह के एक मामले में आरोपितों ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराए थे जिसमें उन्होंने करीब सात लाख रुपये निकाले। इस मामले में पीड़ित एफसीआई से सेवानिवृत्त नोएडा के निवासी थे। आरोपितों को लगभग साढ़े चार लाख रुपयों का कमीशन मिला था। आरोपितों के पास से बरामद हुए मोबाइल से मिले विवरण से पुलिस को पता चला कि उनके खाते का उपयोग अलग-अलग राज्यों से की गई ठगी में प्रयुक्त हुआ है। इसमें तेलंगाना में दो और आंध्र प्रदेश में एक शिकायत दर्ज की गई है। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी इनका गिरोह ठगी कर चुका है। साइबर ठगों के साथ दोनों आरोपी सोशल मीडिया के जरिये संपर्क में आए थे।

अधिकारी दो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का सुचारू आयोजन सुनिश्चित करें: सीएम

मुख्यमंत्री ने आईएएफएस-IV और आईबीसीए शिखर सम्मेलन की तैयारियों को लेकर की बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में 28 मई से 1 जून के बीच आयोजित होने वाले चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आईएएफएस-IV) और पहले अंतरराष्ट्रीय बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) शिखर सम्मेलन की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। यह जानकारी सोशल मीडिया अकाउंट 'सीएमओ दिल्ली' एक्स पर साझा की गई है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सर्वोत्तम स्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 24×7 कंट्रोल रूम, नोडल अधिकारी और रियल-टाइम मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने बाजार और पर्यटक स्थलों पर स्वच्छता और सार्वजनिक सुविधाओं का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 23 अप्रैल को नई दिल्ली में आईएएफएस-IV के लोगो, थीम और वेबसाइट (www.iafs2026.in) का अनावरण किया था। यह शिखर सम्मेलन ₹आईए स्पिरिटः नवाचार, लचीलापन और समावेशी परिवर्तन के लिए भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी₹ विषय के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जो भारत-अफ्रीका साझेदारी की व्यापक प्रकृति को दर्शाता है। शिखर सम्मेलन से पहले तैयारी संबंधी बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिसमें 29 मई 2026 को भारत-अफ्रीका विदेश मंत्रियों की बैठक शामिल है, इससे पहले 28 मई को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होगी, जिसमें भारत और अफ्रीका के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

नीट अभ्यर्थियों से एमबीबीएस दाखिले के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा, डॉक्टर समेत चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नीट अभ्यर्थियों को एमबीबीएस में दाखिला दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में डॉक्टर समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 18 छात्रों को मुक्त कराया गया, जिनमें कई नाबालिग भी शामिल हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने सोमवार को बताया कि आरोपित छात्रों और उनके अभिभावकों को मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने का भरोसा देकर 20 से 30 लाख रुपये तक की मांग करते थे। इसके बदले वे नकद राशि, 10वीं-12वीं की मूल मार्कशीट और खाली हस्ताक्षरित चेक ले लेते थे। मामले का खुलासा गुजरात पुलिस से मिली सूचना के बाद हुआ। सूचना थी कि एक व्यक्ति दिल्ली में रहकर नीट-यूजी 2026 के जरिए मेडिकल कॉलेज में दाखिला कराने का दावा कर रहा है। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने महिपालपुर क्षेत्र के करीब 100 होटलों में तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान गुजरात से आए कुछ लोग एक होटल में मिले। पूछताछ में उन्होंने बताया कि आरोपितों ने उनके बच्चों का एमबीबीएस में दाखिला कराने का भरोसा देकर उनसे पैसे और दस्तावेज लिए हैं। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि छात्रों को "महत्वपूर्ण प्रश्नपत्र" देने के बहाने अभिभावकों से अलग कर एक स्थान पर रखा गया है। इसके बाद पुलिस ने गाजियाबाद के मणिपाल अस्पताल के पास जाल बिछाकर मास्टरमाइंड संतोष कुमार जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया और तीन छात्रों को छुड़ाया। आगे की कार्रवाई में गाजियाबाद के एक फ्लैट पर छापा मारकर 15 और छात्रों को बरामद किया गया। इनमें कुछ छात्र अगले दिन होने वाली नीट परीक्षा में शामिल होने वाले थे। पुलिस ने उन्हें काउंसलिंग के बाद परीक्षा देने भेजा। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान संतोष कुमार जायसवाल, डॉ. अखलाक आलम उर्फ गोल्डन आलम, संत प्रताप सिंह और विनोद भाई पटेल के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 149 पन्नों के फर्जी प्रश्नपत्र/स्टडी मटेरियल, पीड़ितों के साइन किए हुए तीन ब्लैंक चेक और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया कि संतोष जायसवाल इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड है। डॉ. अखलाक पुराने प्रश्नपत्रों और कोचिंग संस्थानों के प्रश्न बैंक से फर्जी पेपर तैयार करता था। संत प्रताप सिंह ने ठहरने और बैठकों के लिए फ्लैट उपलब्ध कराया था, जबकि विनोद पटेल गुजरात में अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें फंसाता था। क्राइम ब्रांच अब गिरोह के अन्य सदस्यों और बिचौलियों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि दाखिले के नाम पर किसी भी फर्जी दावे और शॉर्टकट के झांसे में न आएं।

एसओएल छात्रों ने कक्षाओं के संचालन को लेकर छात्रों ने किया विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के छात्रों ने सोमवार को कक्षाओं के संचालन न होने, पाठ्यक्रम अधूरा होने को लेकर डीयू कुलपति कार्यालय में ज्ञापन दिया। छात्रों ने क्रांतिकारी युवा संगठन के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन भी किया। छात्रों की मांग है कि जब पाठ्यक्रम अभी पूरा नहीं पढ़ाया गया है तो अगले माह परीक्षा क्यों आयोजित की जा रही है। हालांकि एसओएल प्रशासन ने इस आरोप को सिरे से नकार दिया है।संगठन द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि एसओएल के बीए प्रोग्राम और बीए-बीकॉम ऑनर्स जैसे कई पाठ्यक्रमों की कक्षाएं या तो हो चुकी हैं, या फिर अगले सप्ताह ही समाप्त होने वाली हैं। चूंकि इस सेमेस्टर में भी सिर्फ 10-15 कक्षाएं ही छात्रों को दी जा रही थीं, इसलिए इतनी कम कक्षाओं में छात्रों का सिलेबस पूरा नहीं हो पाया है। ऐसे में एसओएल प्रशासन बिना सिलेबस पूरा किए ही कक्षाएं समाप्त कर रहा है। इससे छात्रों की परीक्षा की तैयारी भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है, जिससे बड़ी संख्या में छात्रों के फेल होने का खतरा बना हुआ है। हालांकि इस पूरे मामले में एसओएल की निदेशक प्रो.पायल मागो का कहना है कि छात्रों का आरोप बेबुनियाद है। डिस्टेंस एजुकेशन बोर्ड के नियमानुसार पास कोर्स के लिए 10 कक्षाएं और ऑनर्स कोर्स के लिए 15 कक्षाएं संचालित करने का प्रावधान है। कक्षाएं अभी संचालित भी हो रही हैं। पांच घंटे की रिवीजन कक्षाएं भी चलती हैं।

रेखा गुप्ता ने अपने मंत्रियों के साथ 'झालमुड़ी' और 'रसगुल्ला' के साथ मनाया भाजपा की जीत का जश्न

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में पश्चिम बंगाल सहित विधानसभा चुनावों के पार्टी पक्ष में आ रहे रुझानों के दौरान आज 'झालमुड़ी' और 'रसगुल्ला' के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का जश्न मनाया। इस दौरान दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह, पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा और समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने स्वयं अपने साथी मंत्रियों को 'झालमुड़ी' और 'रसगुल्ला' खिला कर पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का जश्न मनाया। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की झालमुड़ी, रसगुल्ले की मिठास और भाजपा की जीत जश्न मुख्यमंत्री और अपने सहयोगियों के साथ मनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने यह ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है। यह जीत उनके दूरदर्शी मार्गदर्शन और जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण का परिणाम है। सूद ने कहा कि यह विजय जनता के विश्वास, समर्पण और विकास के संकल्प की जीत है। लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों ने इंडी गठबंधन की हकीकत देश के सामने रख दी है। बंगाल की जनता ने हिंसा, अराजकता और तुष्टिकरण की राजनीति को सिरे से नकार दिया है। यह जनादेश विकास, स्थिरता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व पर अटूट विश्वास का प्रमाण है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि बंगाल के लोग बेहद बहादुर और सूझबूझ वाले हैं। वे कभी भी जल्दबाजी में फैसला नहीं लेते, बल्कि सोच-समझकर निर्णय करते हैं और इस बार भी उन्होंने वही किया है। बंगाल की जनता जानती है कि राज्य के विकास और स्थिरता के लिए भाजपा ही एक सार्थक विकल्प है और वही असली बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा कि यहां के जो हालात बिगड़े हुए हैं, उन्हें सुधारने का भरोसा अब भाजपा की सरकार से है। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि सनातन विरोधियों की पराजय हुई, जनादेश स्पष्ट है कि हिंदुओं का अपमान करके कोई सत्ता में नहीं रह पाएगा।

चलती बसों में मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार, 100 फोन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने चलती बसों और भीड़भाड़ वाले बस स्टैंडों पर मोबाइल चोरी करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के 100 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपितों की पहचान दक्षिणपुरी निवासी 48 वर्षीय मुकेश कुमार और बदरपुर निवासी 24 वर्षीय पिंटू के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच द्वारा सोमवार को दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक गिरोह दिल्ली की चलती बसों और बस स्टैंडों पर यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी कर रहा है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर रामपाल के नेतृत्व में टीम गठित कर संगम विहार, बदरपुर और आसपास के इलाकों में छानबीन की गई। इसके बाद टीम ने आश्रम चौक के पास जाल बिछाया, जहां संदिग्ध हालत में बैग लिए खड़े दो युवकों को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान मुकेश के पास मौजूद काले रंग के बैग से 60 मोबाइल फोन और पिंटू के नीले रंग के बैग से 40 मोबाइल फोन बरामद हुए। इस संबंध में क्राइम ब्रांच थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे चार सदस्यों वाले संगठित गिरोह का हिस्सा हैं, जिसमें रमेश और राजेश नामक अन्य सदस्य भी शामिल हैं। गिरोह का एक सदस्य बस में यात्रियों के मोबाइल चुराता था, जबकि अन्य साथी भीड़ बनाकर धक्का-मुक्की और ध्यान भटकाने का काम करते थे। चोरी के तुरंत बाद मोबाइल बंद कर दिए जाते थे और एक-दूसरे को पास कर दिए जाते थे, ताकि पकड़े जाने पर किसी के पास चोरी का सामान न मिले। बाद में इन्हें सस्ते दामों पर रिसीवरों को बेच दिया जाता था। आरोपितों ने पुलिस को बताया कि वे इसी तरीके से अब तक करीब 500 मोबाइल फोन चोरी कर बेच चुके हैं। शुरुआती जांच में बरामद मोबाइलों में से एक फोन कालकाजी थाने के चोरी के मामले से जुड़ा मिला है, जबकि चार फोन गुमशुदगी की शिकायतों से लिंक पाए गए हैं। बाकी मोबाइल फोन की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपित मुकेश पहले भी चोरी और आर्म्स एक्ट के आठ मामलों में शामिल रहा है, जबकि पिंटू के खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी का माल खरीदने वाले रिसीवरों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

दो लापता युवतियों को पुलिस ने खोजकर परिवार से मिलवाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दो अलग-अलग मामलों में लापता दो युवतियों को खोजकर परिवार से मिलवाया है। इनमें एक नाबालिग किशोरी शामिल है, जो करीब तीन वर्ष से लापता थी, जबकि दूसरी 18 वर्षीय युवती की तलाश में दिल्ली पुलिस ने 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। दोनों युवतियों को तलाश कर संबंधित थाना पुलिस को सौंप दिया गया है, जहां आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने सोमवार को बताया कि पहला मामला वजीराबाद थाना क्षेत्र का है, जहां 16 वर्षीय किशोरी 17 मई 2023 से लापता थी। परिवार की शिकायत पर वजीराबाद थाने में अपहरण का मामला दर्ज किया गया था। किशोरी का पता लगाने के लिए क्राइम ब्रांच की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) को लगाया गया। टीम ने तकनीकी निगरानी, खुफिया तंत्र और विभिन्न स्थानों पर छानबीन के बाद किशोरी को खरखरी रेलवे स्टेशन क्षेत्र (उप्र) से बरामद किया। पूछताछ में किशोरी ने पुलिस को बताया कि वह एक युवक के साथ प्रेम संबंध में थी और उसके साथ विवाह कर रह रही थी। दूसरा मामला अलीपुर थाना क्षेत्र का है, जहां 18 फरवरी 2026 से 18 वर्षीय युवती लापता थी। काफी प्रयासों के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर दिल्ली पुलिस ने उसकी जानकारी देने वाले के लिए 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। इसके बाद क्राइम ब्रांच की एनआर-2 टीम को जांच सौंपी गई। टीम ने मोबाइल सर्विलांस और स्थानीय खुफिया सूचना के आधार पर युवती की लोकेशन समयपुर बादली क्षेत्र में ट्रेस की। पुलिस ने वहां दबिश देकर युवती को बरामद कर लिया। पूछताछ में इस युवती ने भी बताया कि वह एक युवक के साथ प्रेम संबंध में थी और उससे शादी कर उसके साथ रह रही थी। युवती को अलीपुर थाना पुलिस को सौंप दिया गया है, जहां आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

घर लौट रहे ज्वेलर से हथियार के बल पर लूट, 75 ग्राम सोना और तीन लाख नकद ले उड़े बदमाश

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार थाना क्षेत्र में रविवार देर रात घर लौट रहे एक ज्वेलर से हथियार के बल पर लूटपाट का मामला सामने आया है। बदमाश ज्वेलर से उसकी स्कूटी, मोबाइल फोन, 75 ग्राम सोने के आभूषण और तीन लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित की पहचान लक्ष्मी नगर स्थित गुरु राम दास नगर निवासी सुकुमार धारा के रूप में हुई है, जो मंडावली इलाके में ज्वेलरी की दुकान चलाते हैं। शिकायत के अनुसार, शनिवार रात करीब 10:30 से 10:45 बजे के बीच वह दुकान बंद कर अपनी एक्टिवा स्कूटी से घर लौट रहे थे। जब वह मधुबन रोड स्थित अमूल डेयरी के पास पहुंचे, तभी अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि बदमाशों ने हथियार दिखाकर पहले उनका मोबाइल फोन छीना और फिर स्कूटी लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि स्कूटी की डिग्गी में 75 ग्राम सोने के जेवरात और करीब तीन लाख रुपये नकद रखे हुए थे, जिन्हें भी बदमाश अपने साथ ले गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रीत विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित की शिकायत पर लूट व आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। पूर्वी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है और जल्द आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर की तत्परता से बची हादसे में घायल स्कूटी सवार की जान

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी की सूझबूझ और मानवीय पहल से सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल एक स्कूटी सवार की जान बच गई। हादसा दो मई की रात बुराड़ी फ्लाईओवर पर हुआ, जहां ड्यूटी खत्म कर लौट रहे ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। ट्रैफिक पुलिस से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार, उत्तरी रेंज में तैनात ट्रैफिक इंस्पेक्टर यशपाल भाटी शुक्रवार रात करीब 10:30 से 11 बजे के बीच ड्यूटी समाप्त कर लौट रहे थे। इसी दौरान बुराड़ी फ्लाईओवर पर उन्होंने देखा कि एक स्कूटी सवार सड़क डिवाइडर से टकराकर सड़क पर अचेत अवस्था में पड़ा है। उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें थीं तथा हालत बेहद नाजुक थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर यशपाल भाटी ने बिना समय गंवाए अपने चालक सिपाही साहदेव के साथ घायल को सरकारी वाहन में बैठाकर तुरंत सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घायल की हालत इतनी गंभीर थी कि एंबुलेंस का इंतजार करना जोखिम भरा हो सकता था, इसलिए तत्काल अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही पुलिसकर्मियों ने घायल के मोबाइल फोन के जरिए उसके परिजनों से भी संपर्क किया और हादसे की सूचना दी। घायल की पहचान पश्चिम विनोद नगर निवासी 40 वर्षीय विनोद चंद्र पुजारी के रूप में हुई है। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद डॉक्टरों ने उसका तत्काल उपचार शुरू किया। पुलिस के अनुसार, डॉक्टरों ने बताया कि समय रहते अस्पताल पहुंचाए जाने के कारण घायल की जान बच सकी। वर्तमान में उसकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। घायल के परिजनों ने ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों की संवेदनशीलता और तत्परता के लिए आभार जताया है।

एटीएम काटकर 19.32 लाख उड़ाने वाले गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, 22,500 रुपये और कार बरामद

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के वेस्ट विनोद नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को गैस कटर से काटकर करीब 19.32 लाख रुपये चोरी करने के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान हरियाणा के पलवल निवासी 26 वर्षीय रॉबिन के रूप में हुई है। वह कुख्यात अंतरराज्यीय एटीएम कटर इमरान मेवाती गिरोह से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार और चोरी की रकम में से 22,500 रुपये बरामद किए हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने सोमवार को बताया कि मंडावली थाने में 30 अप्रैल को इस संबंध में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत हिटाची पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के लीगल एडवाइजर गौरव बैसला ने दी थी। शिकायत में बताया गया कि वेस्ट विनोद नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक एटीएम में 29 अप्रैल को दोपहर 2:11 बजे 22 लाख रुपये डाले गए थे। ग्राहकों द्वारा 2.67 लाख रुपये निकाले जाने के बाद मशीन में 19.32 लाख रुपये शेष थे। आरोप था कि 29 और 30 अप्रैल की दरम्यानी रात करीब 3 बजे से 3:20 बजे के बीच बदमाशों ने गैस कटर से एटीएम मशीन काटकर पूरी नकदी निकाल ली और फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच की एनडीआर टीम ने जांच शुरू की। इंस्पेक्टर विवेक मलिक के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी जांच और स्थानीय खुफिया सूचना के आधार पर पता चला कि वारदात में पलवल निवासी इमरान, रॉबिन और भूरा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपित लगातार ठिकाने बदल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए मोबाइल फोन भी बंद रखता था। तकनीकी निगरानी के बाद राजस्थान के भरतपुर में जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपित ने वारदात में शामिल होने की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि करीब 20 दिन पहले गांव के रहने वाले इमरान ने उसे मोटी रकम का लालच देकर गिरोह में शामिल किया था। पुलिस जांच में सामने आया है कि इमरान उर्फ इमरान मेवाती कुख्यात अंतरराज्यीय एटीएम कटर है, जिसके खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में 25 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसके अन्य साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

जाफरपुर कलां गोलीकांड: देवेंद्र यादव ने पीड़ित परिवार से मिल जताया शोक, पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सोमवार को जाफरपुर कलां पहुंचकर बिहार निवासी पांडव कुमार और उनके मित्र के परिजनों से मुलाकात की तथा गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। देवेंद्र यादव ने घटना को अत्यंत गंभीर और चिंताजनक बताते हुए कहा कि राजधानी में इस प्रकार की घटना कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल द्वारा केवल "बिहारी" शब्द सुनकर गोली चलाना बेहद भयावह है और यह समाज में भय का वातावरण पैदा करता है। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है और न्याय के लिए हर संभव प्रयास करेगी। यादव ने कहा कि किसी व्यक्ति की पहचान उसके राज्य या वर्ग के आधार पर नहीं की जानी चाहिए और ऐसी घटनाएं दिल्ली की छवि को धूमिल करती हैं। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी होने के साथ-साथ "मिनी भारत" है, जहां हर प्रदेश और वर्ग के लोग रहते हैं और शहर के विकास में अपना योगदान देते हैं। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और बिहार से आए श्रमिकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि इनके बिना दिल्ली के विकास की कल्पना अधूरी है।

संपादकीय

दस साल संघर्ष के बाद बंगाल में खिला कमल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रुझानों के बाद आए परिणाम ने भाजपा के लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आया। पिछले दस सालों से प्रदेश में सरकार बनाने का सपना देख रही पार्टी को सोमवार को सफलता मिली। पांच राज्यों के आए चुनावी परिणाम ने पश्चिम बंगाल में मिली सफलता ने टीएमसी की बोलती बंद कर दी। 294 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में भाजपा ने देर शाम तक 200 सीटों पर अपनी बढ़त बना ली। जबकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस महज 80 से 90 सीटों पर सीटों पर सिमटती नजर आई। अगर ये रुझान नतीजों में बदलते हैं, तो बंगाल की सत्ता में बड़ा बदलाव तय माना जा रहा है। इस चुनाव की सबसे दिलचस्प और निर्णायक कहानी बनकर उभरे हैं प्रदेश के पूर्व मंत्री हुमायूं कबीर। कभी टीएमसी का मजबूत स्तंभ माने जाने वाले कबीर ने बगावत कर अपनी नई पार्टी "आम जनता उन्नयन पार्टी" एजेयूपी बनाई। हुमायूं ने अपनी पार्टी से 115 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए। बीते विधान सभा चुनाव में एजेयूपी की मौजूदगी ने कई सीटों पर टीएमसी के वोट बैंक में सेंध लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। हुमायूं कबीर का प्रभाव सिर्फ उनकी सीटों तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्होंने कई इलाकों में चुनावी समीकरण बदल दिए। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कबीर की बगावत ने टीएमसी के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाई। खासतौर पर मुस्लिम बहुल क्षेत्रों—में बड़ा विभाजन पैदा किया। इसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। कबीर के प्रभाव वाले क्षेत्रों में टीएमसी पहले कमजोर मानी जाती थी। यही वजह है कि कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय हो गया और टीएमसी को नुकसान उठाना पड़ा। वहीं दूसरी तरफ, इस चुनाव में एक और बड़ा राजनीतिक संदेश सामने आया है असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का बंगाल में कोई खाता तो नही खुला। बिहार में मजबूत प्रदर्शन के बाद एआईएमआईएम ने पश्चिम बंगाल में 12 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। यह सीटें मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में थी। इस दौरान ओवैसी की पार्टी ने काफी हद तक टीएसी का वोट काटने में कामयाब रही। वोट प्रतिशत के लिहाज से भी एआईएमआईएम को अब तक महज 0.10 फीसदी वोट ही मिले लेकिन उसने अपना प्रभाव दिखा दिया। जो टीएमसी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। कबीर की नई पार्टी ने टीएमसी के वोट काटे, वहीं एआईएमआईएम मतदाताओं को आकर्षित कर भाजपा का काम अप्रत्यक्ष रूप से पूरा कर दिया।

भारत भी न्यूजीलैंड के 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क समाप्त करेगा या कम करेगा। खास बात यह है कि इस एफटीए के तहत लगभग ऐसे कई उत्पादों को सूची से बाहर रखा गया है, जो भारत के किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों से जुड़े हुए हैं। इनमें दूध, दही, पनीर, भेड़ मांस, म_ा के साथ अन्य पशु उत्पाद, चना, मक्का, बादाम, चीनी, प्याज जैसे उत्पाद शामिल हैं। इस एफटीए से अगले 5 वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने में मदद मिलेगी। साथ ही न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर की एफडीआई की प्रतिबद्धता भी जताई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह एफटीए भारत के लिए सबसे प्रमुख सेवाओं की ऐसी पेशकश करता है, जो अब तक किसी भी पिछले एफटीए में शामिल नहीं हैं।

नए निर्यात बाजारों में बढ़ता भारत

जयंतीलाल भंडारी

भारत के कुल निर्यात का अधिकांश हिस्सा 10 प्रमुख उत्पादों जैसे- इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल, रत्न-आभूषण आदि से आता है। ऐसे में अब निर्यात के लिए बड़ी संख्या में नई वस्तुओं को शामिल करना आवश्यक है। उम्मीद करें कि भारत निर्यात क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। इस समय भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के माध्यम से निर्यात के नए बाजारों में दस्तक देते हुए दिखाई दे रहा है। हाल ही में 27 अप्रैल को भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक एफटीए पर भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। दोनों देशों ने 22 दिसंबर 2025 को इस एफटीए के लिए वार्ता पूरी की थी। गौरतलब है कि भारत-न्यूजीलैंड के बीच हुए इस एफटीए के तहत न्यूजीलैंड में 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क (जीरो ड्यूटी) सुनिश्चित किया गया है।

भारत भी न्यूजीलैंड के 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क समाप्त करेगा या कम करेगा। खास बात यह है कि इस एफटीए के तहत लगभग ऐसे कई उत्पादों को सूची से बाहर रखा गया है, जो भारत के किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों से जुड़े हुए हैं। इनमें दूध, दही, पनीर, भेड़ मांस, म_ा के साथ अन्य पशु उत्पाद, चना, मक्का, बादाम, चीनी, प्याज जैसे उत्पाद शामिल हैं। इस एफटीए से अगले 5 वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने में मदद मिलेगी। साथ ही न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के एफडीआई की प्रतिबद्धता भी जताई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह एफटीए भारत के लिए सबसे प्रमुख सेवाओं की ऐसी पेशकश करता है, जो अब तक किसी भी पिछले एफटीए में शामिल नहीं हैं।

यह एफटीए न्यूजीलैंड में भारतीय छात्रों पर संख्यात्मक सीमा को हटाता है। साथ ही विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं मास्टर डिग्री धारकों के लिए तीन साल तक और डॉक्टरेट डिग्री वालों के लिए अध्ययन के बाद चार साल तक न्यूजीलैंड में काम करने का अवसर प्रदान करता है। इतना ही नहीं, भारत के कुशल पेशेवरों के लिए यह एफटीए एक नया अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा मार्ग प्रदान करता है। इसका लाभ चिकित्सक, योग प्रशिक्षक, भारतीय शेफ और संगीत शिक्षक के साथ आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और निर्माण सहित उच्च मांग वाले क्षेत्रों के भारतीय पेशेवर ले सकेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा ब्रिटेन और ओमान के साथ किए गए एफटीए का भी इसी वर्ष 2026 में आगामी महीनों में कार्यान्वयन शुरू होगा। साथ ही उम्मीद है कि 27 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित भारत-यूरोपीय शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला और यूरोपीयन परिषद के अध्यक्ष एंटोनिया कास्टा की उपस्थिति में हस्ताक्षरित हुए भारत-यूरोपीय संघ एफटीए का क्रियान्वयन भी इसी वर्ष संभावित है। इस एफटीए से दो अरब लोगों का विशाल बाजार बनेगा। यह बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। इस समझौते को सभी समझौतों की जननी कहा गया है। वस्तुतः भारत और 27 देशों के ईयू के बीच एफटीए पर पिछले 18 वर्षों से वार्ता जारी रही थी। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत और अमरीका के बीच भी व्यापार समझौते की वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। इस वर्ष 7 फरवरी को भारत और अमरीका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते (आईटीए) के फ्रेमवर्क के तहत अमरीका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया था। फिर अमरीका के उच्चतम न्यायालय ने 20 फरवरी को राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के देश विशेष पर जवाबी शुल्क लागू करने के लिए अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के उपयोग का अधिकार रद्द कर दिया था। इसके बाद अमरीकी प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत का एक समान अधिभार लगाया था, जो जारी हैं।

अब अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत बातचीत वार्ता आगे बढ़ाने हेतु अमरीका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में 21 से 23 अप्रैल तक चली 'सार्थक और भविष्योन्मुखी चर्चाओं' के बाद भारत और अमरीका के वार्ताकारों के बीच सकारात्मक प्रगति हुई है। उम्मीद है कि यह अंतरिम व्यापार समझौता भी इसी वर्ष 2026 में लागू हो सकेगा। इन सबके साथ-साथ अब मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। इतना ही नहीं, ईरान संकट के बीच भारत निर्यात और कारोबार के लिए नए बाजारों में जमने की तैयारी में है। इसके लिए कनाडा, इजरायल, रूस, पेरू, चिली, दक्षिण अफ्रीका और मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर तेजी से काम हो रहा है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय दुनिया के विकसित और विकासशील देश तेजी से भारत के साथ कारोबार बढ़ाने के मद्देनजर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। निःसंदेह ईरान और इजराइल-अमरीका संकट का भारत से निर्यात पर प्रतिकूल असर दिखाई देने लगा है।

पिछले माह मार्च 2026 में भारत का वस्तु निर्यात 7.44 प्रतिशत घटकर 38.92 अरब डॉलर रह गया है। ऐसे में निर्यात बढ़ाने के लिए निर्यात के नए बाजार और निर्यात विविधता की रणनीति के साथ आगे बढना होगा। भारत के द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए विशेष रूप से चिन्हित किए गए 34 नए देशों के निर्यात बाजारों में अपनी निर्यात पैठ बनाने के हरसंभव उपाय करने होंगे। निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं वरन निर्यात पर लगाए गए एंटी-डंपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं। भारत के द्वारा विभिन्न देशों के साथ एफटीए के अधिकतम लाभ उठाने के लिए घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, एफटीए के लिए जागरूकता बढ़ाने, गैर-टैरिफ बाधाएं दूर करने और सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

वर्तमान में भारत से कुल निर्यात का अधिकांश भाग अमरीका, यूएई, ब्रिटेन, सऊदी अरब और चीन जैसे दस प्रमुख देशों पर निर्भर है। अतएव अब ऐसे देशों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है, ताकि किसी एक या कुछ देशों में आर्थिक सुस्ती का सीधा असर भारत पर न पड़े। अब पारंपरिक बाजारों के अलावा उत्तर पूर्व एशिया और पूर्वी अफ्रीका जैसे नए उभरते क्षेत्रों तक निर्यात पहुंच तेजी से बढ़ाना होगी। निर्यात विविधीकरण पर भी ध्यान देना होगा। भारत के कुल निर्यात का अधिकांश हिस्सा 10 प्रमुख उत्पादों जैसे- इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल, रत्न-आभूषण आदि से आता है। ऐसे में अब निर्यात के लिए बड़ी संख्या में नई वस्तुओं को शामिल करना आवश्यक है। उम्मीद करें कि पश्चिम एशिया संकट और घटते वैश्विक निर्यात की चुनौतियों के बीच विभिन्न देशों के साथ भारत के एफटीए और द्विपक्षीय व्यापार समझौते शीघ्रतापूर्वक आकार लेते हुए दिखाई देंगे।

देश के श्रम परिदृश्य में महिलाओं की भूमिका

मुकुंद

देश का श्रम परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। इसने पुरुष और स्त्री के दायरे को खत्म कर दिया है। आज भारत की महिला श्रम के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। केंद्र सरकार का कहना है कि भारत के श्रम परिदृश्य में पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की भूमिका में महत्वपूर्ण बदलाव और वृद्धि देखी गई है। अब देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक ढांचे को बदलने वाली भी है।महिला श्रम बल भागीदारी दर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह दर 2017-18 में 23.3 फीसद थी। 2024-25 में बढ़कर यह 41.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है। ग्रामीण भारत में भी बदलाव और वृद्धि हुई है। इस वृद्धि में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका अग्रणी है। कृषि और पशुपालन के साथ-साथ स्वरोजगार में उनकी सक्रियता बढ़ी है। देश में आज भी कामकाजी महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा कृषि (लगभग 60 प्रतिशत से अधिक) और असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत है।

शहरी क्षेत्रों में महिलाएं आईटी, बैंकिंग, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। महानगरों में नियमित रोजगार के मामले में लैंगिक अंतर काफी कम हुआ है। 'लखपति दीदी' जैसी योजनाओं और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अब सूक्ष्म उद्यमी बन रही हैं। इससे उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ी है।विडंबना यह है कि कार्यबल में शामिल होने के बावजूद महिलाएं घरेलू काम और बच्चों की देखभाल का असंगत बोझ उठाती हैं। समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में महिलाओं को मिलने वाले वेतन में अभी भी अंतर बना हुआ है। खासकर विशेषकर असंगठित क्षेत्रों में यही स्थिति है। सरकारी कोशिशों के बावजूद वरिष्ठ प्रबंधन और निर्णय लेने वाले पदों (जैसे बोर्ड मेंबर या सीईओ) पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी अपेक्षाकृत कम है। सरकारी पहल और भविष्य की राह सरकार ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'मुद्रा योजना' (जिसमें 70 प्रतिशत ऋण महिलाओं को दिए गए) और मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम जैसे कदमों के जरिए महिलाओं को श्रम शक्ति में बनाए रखने का प्रयास किया गया है। विश्व बैंक के अनुसार, महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से भारत की जीडीपी विकास दर में उल्लेखनीय उछाल आ सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि कुछ वक्त पहले तक देश में महिलाओं के ज्यादातर काम अनदेखे ही रहते थे। उनके कामों का ज्यादातर हिस्सा घरों, पारिवारिक उद्यमों और अनौपचारिक भूमिकाओं तक ही सीमित था। इनका आधिकारिक दस्तावेजों में शायद ही कभी जिक्र होता रहा हो। अब स्थिति बदल रही है और महिलाएं देश के श्रम परिदृश्य को नया रूप दे रही है। देश के कार्यबल में बदलाव की कहानी आंकड़ों में भी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण से पता चलता है कि महिला श्रम बल भागीदारी में तेजी से वृद्धि हुई है, जो 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 40 प्रतिशत हो गई है। खुशी की बात है कि इस बदलाव का नेतृत्व ग्रामीण भारत कर रहा है।

यही नहीं गांवों और छोटे कस्बों की महिलाएं अब पारंपरिक भूमिकाओं से आगे बढ़कर उद्यमिता की ओर अग्रसर हो रही हैं। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 10 करोड़ से अधिक महिला परिवारों को स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया गया है। वित्तीय समावेशन के मार्ग के रूप में शुरू हुआ यह प्रयास धीरे-धीरे सूक्ष्म उद्यमों के एक नेटवर्क में तब्दील हो गया है। यहां महिलाएं उत्पादन, प्रबंधन और बिक्री कर रही हैं और अक्सर अपने परिवारों में प्राथमिक आय का स्रोत बन रही हैं।

महिला नेतृत्व वाले उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए नए सिरे से शुरू किए गए नीतिगत प्रयासों से इस रफ्तार में और तेजी आई है। लखपति दीदी कार्यक्रम मील का पत्थर साबित हुआ है। यह पहल महिलाओं को अपनी आय को स्थायी रूप से बढ़ाने में सक्षम बनाने पर केंद्रित हैं। इसका मकसद प्रति वर्ष 1 लाख रुपये से अधिक कमाने वाली करोड़ों महिला उद्यमियों का सृजन करना है। ऋण, कौशल और बाजार संपर्कों तक विस्तारित पहुंच के साथ, यह भागीदारी से आय सुरक्षा की ओर एक बदलाव का प्रतीक है, जहां महिलाएं न केवल काम कर रही हैं, बल्कि अधिक मजबूत आजीविका का निर्माण भी कर रही हैं।

यह बदलाव देश के बढ़ती स्टार्टअप व्यवस्था में भी दिखाई देने लगा है। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत देश विश्व के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप हब के रूप में उभरा है। अच्छी बात यह है कि 2.2 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप 23.3 लाख से अधिक रोजगार सृजित कर रहे हैं। इनमें से एक लाख से अधिक स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक हैं। इसके साथ ही स्किल इंडिया मिशन और अन्य सरकारी कौशल विकास कार्यक्रमों जैसी पहलों की मदद से महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों से जुड़े कौशल से लैस किया जा रहा है। उद्योगों पर आधारित कौशल विकास पर यह बढ़ता जोर, रोजगार क्षमता में सुधार करने और अधिक स्थिर और उत्पादक आजीविका की ओर बढ़ने में मददगार साबित हो रहा है।

हाल के श्रम सुधारों ने भी इस अंतर को दूर करने का प्रयास किया है। 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करने से नियामक ढांचा सरल हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन सुधारों के कार्यान्वयन का स्वागत करते हुए कहा, "ये संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों की मजबूत नींव के रूप में कार्य करेंगी।" व्यापक स्तर पर पर देखा जाए तो, देश में सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में करीब 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गया है। सुखद यह है कि इस परिदृश्य में महिलाएं न केवल कार्यबल का हिस्सा हैं, बल्कि भविष्य को आकार देने में भी वे केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं।

घर में पूजास्थल बनाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखें

जहां एक ओर अन्य धर्मों में मूर्ति पूजा पर इतना ज्यादा विश्वास नहीं किया जाता है, वहीं हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की आराधना के लिए मूर्ति पूजा ही सबसे प्रमुख माध्यम है। हर मंदिर के गर्भगृह में मंदिर के इष्ट देव की मूर्ति की स्थापना अवश्य की जाती है, ताकि भक्त अपने ईश्वर से जुड़ पाये। हिंदू धर्म के अनुयायी, मूर्ति पूजा में विश्वास क्यों करते हैं? हिदू धर्म के अनुयायियों के लिए, मंदिर में ईश्दर के दर्शन करना महत्वपूर्ण होता है। उनके लिए, भगवान अनंत शक्ति और ताकत का स्त्रोत हैं, उनकी आराधना और वंदना के माध्यम से लोगों को प्रेरणा मिलती है और वो मुश्किलों से उभरना सीख लेते हैं। मूर्ति के सामने रहने से उन्हें बुरे काम न करने की शिक्षा मिलती है और सदैव अच्छे व नेक पथ पर चलने की प्रेरणा मिलती है। साथ ही लोगों का मन साफ रहता है। शास्त्रों इस बारे में क्या कहते हैं? अगर हिंदू धर्म के शास्त्रों की बात करें तो हर घर में एक मंदिर होना चाहिए और घर में स्थायपित मंदिर के लिए कुछ नियमों का पालन भी अवश्यि करना चाहिए। ध्यान रखने योग्य बातेंः अगर आपके घर में मंदिर या पूजा कक्ष है तो हिंदू धर्म के शास्त्रों के अनुसार आपको निम्न बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। अलग पूजा कक्ष बनवाएं - घर में यदि स्थान की कमी न हो, तो अलग से पूजा कक्ष का निर्माण करें। पूजा कक्ष के द्वार का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। दम्पत्तियों के कक्ष में पूजा कक्ष नहीं बनाना चाहिए, ऐसा माना जाता है कि अगर आप शारीरिक सम्बंधों को घर के बाकी लोगों के समक्ष नहीं बनाते हैं तो ईश्वर के सामने भी ऐसा न करें। यही कारण है कि पूजा स्थालों में भी परिसर के अंदर सराय नहीं होते हैं। रसोई के अंदर या ठीक विपरीत मंदिर न रखेंः पूजा स्थील को कई लोग रसोई में बना लेते हैं, ऐसा न करें। न ही रसोई के ठीक विपरीत पूजा स्थल बनाएं। कई घरों में किचेन में ही डस्ट बीन और बाकी का कूड़ा रखा रहने दिया जाता है, ऐसे में भगवान रखना सही नहीं होता है। साथ ही खाना बनाने के दौरान धुआं भी मंदिर तक पहुंचेगा। मंदिर की स्थिति सबसे ज्यादा मायने रखती है अगर आप दो मंजिला इमारत पर रहते हैं तो अपने पूजा कक्ष को इस प्रकार बनाएं कि ऊपरी मंजिल में उसके ऊपर बाथरूम या लैट्रिन न हों।

आज का इतिहास

1949 - भारत में झारखंड पार्टी की स्थापना हुई।

1961 - अमेरिका के पहले अंतरिक्ष यात्री कमांडर ऐलन शेपर्ड अपने अंतरिक्ष यान से अटलांटिक महासागर में उतरे। उन्हें एक हेलिकॉप्टर ने पानी से बाहर निकाला और शेपर्ड ने अपनी इस यात्रा को 'शानदार सैर' करार दिया।

1999 - रोजाने प्रोदी यूरोपीय संघ के कार्यकारी अध्यक्ष बने।

1980 - लंदन में स्थित ईरानी दूतावास को कुछ हमलावरों के कब्जे से आजाद कराया गया। ब्रिटिश एसएएस कमांडो ने पांच हमलावर ईरानी बंदूकधारियों को मार डाला और एक को हिरासत में लेकर इस नाटक का अंत किया।

2003 - भारत-बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग की बैठक सिलहट में शुरू, बेल्जियम में गुय वेरहोफ्सराड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार का पतन।

2005 - ब्रिटेन में लेबर पार्टी के नेता टोनी ब्लेयर ने तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभाला।

2008 - पद्मविभूषण पं. किशन महाराज का अन्तिम संस्कार सम्पन्न।

2008 - एनटीपीसी के रिहन्द सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट को लगातार तीसरे वर्ष ग्रीनटेक गोल्ड सेफ्टी अवार्ड मिला।

2008 - डिस्पोजल सीरिंज के आविष्कारक न्यूजीलैंड के कोलिन मार्डोक का निधन।

2010- आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से नई पीढ़ी के उच्च क्षमता वाले साउंडिंग रॉकेट का उड़ान परीक्षण सफल रहा। इसरो द्वारा विकसित तीन टन भार वहन क्षमता वाला यह राकेट देसी रॉकेटों में अब तक का सबसे भारी रॉकेट है। इसमें एयर ब्रीथिंग तकनीक युक्त स्क्रैमजेट इंजन मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है।

2010 - भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने नारको एनालिसिस, ब्रेन मैपिंग या पोलीग्राफ टेस्ट जैसी जांचों को व्यक्ति के संविधान में प्राप्त स्वदोषारोपण से छूट व निजी स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताकर अस्वीकार कर दिया।

2010 - राजस्थान सरकार द्वारा गुर्जरों को 01 प्रतिशत आरक्षण तत्काल और 04 प्रतिशत का बैकलॉग रखने के समझौते के बाद गुर्जरों ने आंदोलन समाप्त कर दिया।

गर्मियों में राम का नाम शीतल प्रदान करती है

संजय गोस्वामी

कैसा कलियुग आ गया है, कि आज गर्मियों में एयर कंडीशन में भी गर्मी लगती है, क्योंकि आप राम नाम जो शीतल प्रदान करता है उसे भूलते जा रहें हैं. चार वेद में मूलभूत भूल थी है जिसमें व्यासजी जैसे ऋषि-मुनियों ने चार वेद का दोहन करके अपने अपने विरोधाभासी मत दर्शाकर मतभेद खड़े किये है और खट-पट बढ़ गई है। नेति नेति का हार्द समझें बिना ही अनंत ब्रह्मांड में ॐकार के स्वरुप में सर्वव्यापक प्रकाश ब्रह्म है जो सृष्टि के सर्जनहार का परम प्रकाश ब्रह्म है। उस सर्जनहार की विश्व में कोई यथार्थ खोज नहीं कर पाया इसलिए चार वेद से चली आई भूल दिन दूना रात चौगुना बढ़ती ही गई जो थमने का नाम नहीं रही है। हररोज एक नया भगवान और देवी पैदा होती ही रहती है। क्यों कि कवियों की काल्पनिक मनगढ़ंत तथ्यहीन रसिक कविताओं और वाणीयों रुप वाणी विलास में जगत फंस गया है। जगत में आज तक न किसी को निज चैतन स्वरुप अंश का यथार्थ बोध है और न सृष्टि के सर्जनहार का बोध है, फिर भी च्यूंइगम की तरह वाणी विलास के नशे में चबाते हुए सब मस्त है जैसे कि उनको परमपद की प्राप्ति अभी इसी वक्त हो गई हो।

जब भीतर ही परमात्मा का बोध दृढ़ हो जाए, तब भय मिट जाता है क्योंकि रक्षक और रक्षित का भेद ही नहीं रहता – वही शरण, वही शरणागत हो जाता है। बुद्धि से आगे कि यात्रा के लिए प्रेम ही सहारा है। संसारीक पदार्थों से विरक्ति होने पर प्रेम कि शुरुआत होती है।

भोगों का दमन नहीं करा जा सकता क्योंकि मन द्वारा उत्पन्न सृष्टि का भोक्ता मन ही है। ये ऐसा ही है जैसे चित्रकार कागज को भुलाकर उसमें बने हुए चित्रों को ही भोग रहा हैः परिवार है समाज है कुटुंब इत्यादि है धन सम्पत्ति मान मर्यादा इतना सब जीवन भर मेहनत करके जोड़ा उसका त्याग सरल नहीं होता हैः शरीर और संसार में अहं भाव है ही नहीं। अहं है कहां किसमें जानने मानने में है। अनजाने में भी है। ज्ञान अज्ञान में भी। जनाइये मैं कौन हूं हूं भाव कौन सवाल मैं संकेत मात्र हूं या नहीं भाव हैं।

अहं न देह में है न संसार में, वह केवल जानने वाले मैं हूँ के स्फुरण में है – और जब यह स्फुरण भी किसमें उठ रहा है यह देखो, तो मैं केवल साक्षी का संकेत मात्र रह जाता है, भाव नहीं।।

: राम कथा के तेई अधिकारी ।
जिन्ह के सत संगति अति प्यारी।।

सत्संग श्रवण कीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। एक मृत शरीर है और एक जीवित शरीर है दोनों ही पर सुर्य का प्रकाश पड रहा है एक शांत है और दुसरे में प्राण है। सुर्य कि दृष्टि से दोनों ही सुर्य के विषय है और सुर्य दोनों का विषयेता । तीनो ही सतय बनकर स्थित है ये बुद्धि का विचार है धारणा है मन का निश्चय है। यदि अचानक से पता चले कि ये जो कुछ भी देखा वो स्वप्न में देखा तो कोई एक सत्ता ऐसी भी हैं जो सुर्य को भी प्रकाशित कर रही है। अब एक मृत शरीर है एक जीवित शरीर है एक बुद्धि है एक सुर्य है और एक वो सत्ता भी है जो इन सबको स्वप्न में एक क्षण में रच लेती है : आजकल तत्त्वदर्शी तत्त्ववेत्ता केवल एक ही पूरे विश्व में है और वह राजनीति में कृष्ण की तरह से है।वह उत्तर भारत में प्राप्त है उसके प्रवचन फोटो भी इस साइट पर आए हैं। परन्तु उसके बारे में जानकारी देने वाले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं। जिस महात्मा के बारे में जानकारी दी गई है उसके चेले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं मैंने पहले ही बता दिया है। चेले को यह साफ़ साफ़ स्पष्ट रूप से देखें जा सकते हैं कि उन्होंने क्या सीखा है? और उस महापुरुष को अपने स्वभाव से ख़राब करते रहते हैं।

एक उपले रखने के लिए बरसात में बटिहा जिसमें उपले सूखें रहें बनाया जाता है। तब उसमें से उपले ही निकलते हैं उसी तरह से कुछ महात्माओं के चेले निम्न श्रेणी के फंसे हुए रहते हैं और वह उस महापुरुष को अपने स्वभाव से बदनाम करते रहते हैं।

इतना समय हो गया उस महापुरुष का शिष्य यहां पर किसी का भी समाधान नहीं कर सका है जबकि वह बड़ बड़ लेख लिखने से अपने को महात्मा रूप में व्यक्त करता है गुरु को कभी नहीं। कैसा कलियुग आ गया है, कि आज गर्मियों में आप एयर कंडीशन में सोते हो और बूढ़े माता पिता कों गर्मी में अकेले छोड़ देते हो क्या उनको गर्मी नहीं लगती है, क्योंकि आप राम नाम जो माता पिता की आज्ञा पालन करने की शिक्षा दि है उसे भूलते जा रहें हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

तकनीकी दौर में भविष्य के लिए 'रिसर्च और सरप्राइज' बेहद जरूरीः सिंह

प्रयागराज। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीव्र तकनीकी क्रांति के वर्तमान युग में भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए अनुसंधान पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने और अप्रत्याशित नवाचार की रणनीति अपनाने के महत्व पर बल दिया। रक्षा मंत्री 4 मई को प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में भारतीय सेना की उत्तरी एवं मध्य कमान तथा भारतीय रक्षा निर्माता सोसायटी की ओर से आयोजित तीन दिवसीय नॉर्थ टेक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में रक्षा कर्मियों, उद्योगपतियों, नवप्रवर्तकों, स्टार्टअप्स और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे।

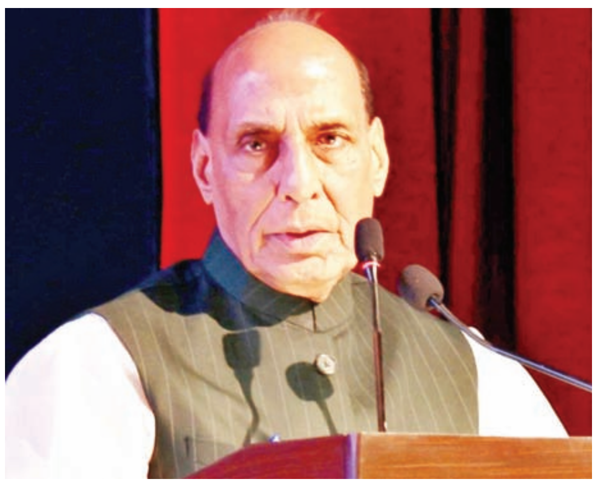

रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष में, युद्ध का स्वरूप महज तीन-चार वर्षों में टैंकों और मिसाइलों से बदलकर ड्रोन और सेंसर जैसे क्रांतिकारी उपकरणों में परिवर्तित हो गया है। इसके अलावा, दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी वस्तुएं भी घातक हथियार बनती जा रही हैं। लेबनान और सीरिया में हुए पेजर हमलों ने आधुनिक युद्ध पद्धतियों के पुनर्मूल्यांकन को प्रेरित किया है। ऐसी स्थिति में हमें तैयार रहना होगा। राजनाथ सिंह ने सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने और ऐसी क्षमताएं विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जो आवश्यकता पड़ने पर देश को अपने शत्रु पर अप्रत्याशित हमला करने में सक्षम बनाएं। उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है कि युद्ध में निर्णायक बढ़त सदैव उसी को मिलती है, जिसके पास अचानक हमला करने की शक्ति होती है। हालांकि हमारे रक्षा बल पहले से ही इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, हमें और अधिक सक्रियता के साथ आगे बढ़ना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि जो राष्ट्र तकनीकी क्रांति को सबसे तेजी से अपनाएगा, उसे भविष्य के युद्ध परिदृश्य में निर्णायक बढ़त प्राप्त होगी। आज की दुनिया में अनुसंधान का कोई विकल्प नहीं है और भविष्य के युद्ध किस प्रकार लड़े जाएंगे, यह आज प्रयोगशालाओं में निर्धारित हो रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने रक्षा अनुसंधान को अपनी प्राथमिकताओं के केंद्र में रखा है। डीआरडीओ अब इस यात्रा पर अकेला नहीं है। 'दूर तक जाने के लिए साथ चलें' के मंत्र से प्रेरित होकर, यह बड़ी संख्या में उद्योगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स को आवंटित किया गया है और अब तक इन संस्थाओं ने बजट का 4,500 करोड़ रुपये से अधिक का उपयोग कर लिया है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की एक नई नीति लागू की गई है, जिसके अंतर्गत विकास-सह-उत्पादन साझेदारों, विकास साझेदारों और उत्पादन एजेंसियों के लिए पहले लगने वाला 20 प्रतिशत शुल्क पूरी तरह से माफ कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, डीआरडीओ ने अब तक विभिन्न उद्योगों को 2,200 से अधिक प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित की हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि डीआरडीओ ने भारतीय उद्योगों को अपने पेटेंट तक निःशुल्क पहुंच प्रदान करने की नीति शुरू की है, जिससे उनकी तकनीकी क्षमताओं और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता दोनों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ की परीक्षण सुविधाएं भी भुगतान के आधार पर उद्योगों के लिए खोल दी गई हैं। हर वर्ष सैकड़ों उद्योग अनुसंधान एवं विकास सहायता के लिए इन सुविधाओं का उपयोग करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि उद्योगों को निर्देशित ऊर्जा हथियार, हाइपरसोनिक हथियार, जलमग्न क्षेत्र जागरूकता, अंतरिक्ष स्थिति जागरूकता, क्वांटम प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़कर उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए। उन्होंने इस प्रयास में सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने बदलती परिस्थितियों का गहन विश्लेषण करने और भारत की तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए रक्षा बलों और उद्योग जगत की सराहना की और ऑपरेशन सिंदूर को तकनीकी युद्ध और राष्ट्र की तत्परता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने विश्व के सामने हमारे रक्षा बलों की वीरता और क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस ऑपरेशन के दौरान आकाशतीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइल प्रणालियों सहित अत्याधुनिक स्वदेशी उपकरणों का उपयोग किया गया। यह इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि हम न केवल युद्ध की बदलती प्रकृति को समझते हैं, बल्कि अटूट आत्मविश्वास के साथ तकनीकी प्रगति को भी लागू कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा देश के रक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (आईडेक्स), एसीटिंग डेवलपमेंट ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजीज विद आईडेक्स (एडीआईटीआई) और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड (टीडीएफ) जैसी पहलें नवाचार को बढ़ावा देने और निजी क्षेत्र की भागीदारी को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। रक्षा क्षेत्र में अवसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने उत्तर प्रदेश में शुरू की गई रक्षा क्षेत्र से सीधे जुड़ी कई अवसंरचना परियोजनाओं, विशेष रूप से रक्षा औद्योगिक गलियारे की स्थापना की जानकारी देते हुए कहा कि यह भारत की रक्षा क्षमताओं को सक्रिय रूप से बढ़ा रही हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार के आत्मनिर्भरता प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं, क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड 1.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि रक्षा निर्यात सर्वकालिक उच्च स्तर 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि और भी तेज होने की संभावना है और इस उपलब्धि में निजी क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जर्मनी की अपनी हाल की यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विदेशी कंपनियां भारतीय रक्षा कंपनियों के साथ साझेदारी करने में गहरी रुचि दिखा रही हैं, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रक्षा उद्योग की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण है।

रक्षा मंत्री ने 'रक्षा त्रिवेणी संगम- जहां प्रौद्योगिकी, उद्योग और सैन्य शक्ति का संगम होता है' विषय पर आधारित नॉर्थ टेक संगोष्ठी को नवाचार को बढ़ावा देने और भारत की तकनीकी एवं रक्षा तैयारियों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने सभी हितधारकों को अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने में सक्षम बनाने के लिए ठोस सुझावों की आशा व्यक्त की। उन्होंने हितधारकों को विशेषज्ञता साझा करने और उभरते एवं अनछुए क्षेत्रों में सामूहिक रूप से क्षमताओं को बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए एक ज्ञान गलियारे के निर्माण का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि यह हमारा सामूहिक प्रयास है कि हम आने वाले समय में विश्व की सबसे शक्तिशाली सैन्य शक्ति के रूप में खुद को स्थापित करें।

केंद्रीय कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्या सेनगुप्ता ने कहा कि यह संगोष्ठी रक्षा बलों, उद्योग, स्टार्टअप, नवप्रवर्तकों और शिक्षाविदों को महत्वपूर्ण परिचालन चुनौतियों से निपटने के उद्देश्य से स्वदेशी तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यह प्रयास संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार (जेएआई) के सिद्धांत द्वारा निर्देशित है, जो देश की युद्ध क्षमता को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। उत्तरी कमान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने इस बात पर बल दिया कि संगोष्ठी का उद्देश्य विचारों, नवाचारों और अनुभवों को तैनाती योग्य क्षमताओं में परिवर्तित करना है। उन्होंने कहा हाल के संघर्षों को देखते हुए, मानवरहित हवाई प्रणाली (यूएएस), काउंटर-यूएएस सिस्टम, एआई-सक्षम निर्णय लेने वाले उपकरण, सटीक मारक क्षमताएं और उन्नत तोपखाना प्रणालियां जैसी विशिष्ट क्षमताएं युद्धक्षेत्र में प्रभुत्व स्थापित करने के लिए अपरिहार्य हो गई हैं।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी; सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी; केंद्रीय वायु कमान के वायु अधिकारी कमान-इन-चीफ एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकांतन; सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन; एसआईडीएम के अध्यक्ष अरुण टी रामचंदानी और आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर रामकृष्णन एस उपस्थित थे। इस अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), निजी रक्षा प्रौद्योगिकी फर्मों, स्टार्टअप्स और वर्दीधारी नवोन्मेषकों सहित विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत स्वदेशी समाधानों को प्रदर्शित किया गया। 284 कम्पनियों ने अपने नवीनतम नवाचारों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए स्टॉल लगाए।

छत्तीसगढ़ में बेकाबू कार नदी में गिरी चार युवकों की मौत और दो गंभीर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कवर्धा (कबीरधाम) जिले में 3 और 4 मई की दरमियानी रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पांडातराई थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंडई गांव के पास फोक नदी में एक बेकाबू कार गिरने से चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, सभी युवक रायपुर के बिरगांव इलाके के निवासी थे और पंडरिया में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। शादी की रस्में पूरी करने के बाद वे टाटा टियागो कार (CG 10 AS 1082) से वापस रायपुर लौट रहे थे।

इसी दौरान गंडई गांव के पास फोक नदी के पुल पर उनकी कार तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरी। पांडातराई थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे की प्राथमिक वजह अत्यधिक तेज रफ्तार है। पुल के पास एक तीखा मोड़ है, जहां चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे नदी में गिर गई। हादसे के समय कार में कुल 6 लोग सवार थे। मृतकों की पहचान अरमान खान, सौंफ, अनस और कौनेन के रूप में हुई है। वहीं, जुनैद रजा और आरजू खान गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें पहले जिला अस्पताल कवर्धा ले जाया गया, बाद में बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में रेफर किया गया है। दोनों की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी।

पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को कार से बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के बाद पंडरिया स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अहमदाबाद में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 22 दिनों में 5 भारी पोर्टल बीम लॉन्च

नई दिल्ली। अहमदाबाद में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत एक महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल की गई है। मणिनगर क्षेत्र में अहमदाबाद-वडोदरा रेलवे लाइन के ऊपर कुल पांच प्रीकास्ट-प्रेस्ट्रेस्ड भारी पोर्टल बीम (गर्डर) मात्र 22 दिनों के भीतर सफलतापूर्वक लॉन्च किए गए। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवार को एक बयान में बताया कि यह लॉन्चिंग गतिविधि 8, 13, 19, 24 और 29 अप्रैल को सुनियोजित क्रम में पूरी की गई, जो सक्रिय रेलवे ट्रैक के ऊपर तेज और सटीक कार्य निष्पादन का उदाहरण है। इनमें सबसे भारी बीम, जिसका वजन लगभग 1360 मीट्रिक टन था, 8 अप्रैल को लॉन्च किया गया। अन्य बीमों का वजन 1170 से 1360 मीट्रिक टन के बीच रहा, जिससे यह रेलवे अवसंरचना पर किए गए सबसे जटिल कार्यों में से एक बन गया है। मणिनगर में बुलेट ट्रेन का एलाइन्मेंट मौजूदा रेलवे ट्रैकों के ऊपर से ऊंचाई पर और तिरछे कोण पर गुजरता है, जिसके कारण संरचनात्मक योजना बेहद चुनौतीपूर्ण रही। यहां दो पिलरों के बीच की दूरी लगभग 30 से 34 मीटर है, जिसके चलते मजबूत और स्थिर पोर्टल बीम की आवश्यकता पड़ी। इन भारी पोर्टल बीमों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे अहमदाबाद-वडोदरा रेलवे की अप, डाउन और तीसरी लाइन सहित कई सक्रिय ट्रैकों को सुरक्षित रूप से कवर कर सकें। इनके बड़े आकार और वजन से संरचना में स्थिरता बनी रहती है और झुकाव न्यूनतम रहता है, जिससे ट्रैक की सटीकता और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित होता है।

महाराष्ट्र के बारामती विधानसभा उपचुनाव में सुनेत्रा पवार की ऐतिहासिक जीत

पुणे। महाराष्ट्र के बारामती विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का परिणाम घोषित हो चुका है। यहां से उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज की है। निर्वाचन आयोग के अनुसार सुनेत्रा पवार को 2 लाख 18 हजार नौ सौ उनहत्तर मत मिले हैं। उन्होंने 2 लाख 18 हजार 34 मतों के भारी अंतर से जीत हासिल की, जो अब तक की सबसे बड़ी जीत है। उनके 22 प्रतिद्वंद्वियों में से कोई भी 1000 वोटों का आंकड़ा भी नहीं छू पाया है। दूसरे नंबर पर न्यू राष्ट्रीय समाज पार्टी के प्रो. आर.वाई. घुटुकाडे को 935 वोट मिले।

इस जीत के साथ सुनेत्रा पवार ने उत्तर प्रदेश की साहिबाबाद सीट पर रिकॉर्ड मतों से जीत का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। साल 2022 में सुनील कुमार शर्मा ने 2 लाख 14 हजार आठ सौ पैंतीस वोटों के मार्जिन के साथ जीत का रिकॉर्ड बनाया था। सुनेत्रा पवार ने इस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए बारामती में नया इतिहास रच दिया है। इस बंपर

जीत पर सुनेत्रा पवार ने बारामती की जनता, पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर संदेश साझा करते हुए कहा कि मैं बारामती के सभी लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करती हूं। आपने मुझ पर जो भरोसा, प्यार और समर्थन दिखाया है, वह अनमोल है। यह अजित पवार के बाद पहला चुनाव है। उनके मार्गदर्शन और उनकी शारीरिक उपस्थिति से जो खालीपन आया है, वह आज सबसे ज़्यादा महसूस हो रहा है।

मेरे लिए यह जीत सिर्फ़ एक राजनीतिक जीत नहीं है, बल्कि अजीत पवार के काम और उनकी याद को दी गई एक सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने महाराष्ट्र और बारामती के लिए जो काम किया, जनता के साथ उनका जो गहरा जुड़ाव था और विकास को लेकर उनका जो नजरिया था- ये सब आज भी हर किसी के दिल में गहरे बसे हुए हैं। यह उनके ही विचार और मूल्य हैं जो मुझे आगे बढ़ने की हिम्मत देते रहते हैं।

सुनेत्रा पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि यह जीत सिर्फ आपके अथक प्रयासों की वजह से ही संभव हो पाई है। उन्होंने अपील की कि जोर-शोर से जश्न मनाने के बजाय, हम अपनी जीत का जश्न अपने काम के जरिए मनाएं। पवार ने कहा कि मैं यह प्रण लेती हूं कि बारामती की जनता ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसे मैं कभी टूटने नहीं दूंगा। उल्लेखनीय है कि अजित पवार के निधन के बाद सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था। इसके बाद खाली हुई बारामती सीट से उन्होंने चुनाव लड़ा, जिसमें कुल 23 उम्मीदवार मैदान में थे।

गडकरी ने की महाराष्ट्र में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा, तेजी से क्रियान्वयन पर जोर

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र में प्रस्तावित हाई-स्पीड और हाई-डेंसिटी कॉरिडोर सहित राज्य के बीओटी निर्माण-संचालन-हस्तांतरण (बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर- बीओटी) राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को यहां आयोजित समीक्षा बैठक में गडकरी ने नागपुर-भंडारा सेक्शन के छह लेनिंग, तलोदा-बुरहानपुर सेक्शन के चार लेनिंग, दुर्ग-गढ़चिरोली-मंचेरियल कॉरिडोर, गढ़चिरोली-कांकेर (रायपुर-विशाखापट्टनम) कॉरिडोर, ग्वालियर-नागपुर कॉरिडोर, नागपुर-हैदराबाद कॉरिडोर, भंडारा-रायपुर सेक्शन के छह लेनिंग, लखनादोन-दुर्ग-रायपुर कॉरिडोर, नागपुर-अमरावती सेक्शन के छह लेनिंग, मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र बॉर्डर-नागपुर बायपास-बोरखेड़ी स्टेच (एनएच-44) और पुणे-सातारा सेक्शन के छह लेनिंग जैसे प्रमुख राजमार्ग विकास कार्यों पर चर्चा की।

विश्वास का उदय- बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक महाविजयः जेपी नड्डा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर है। इसपर जीत पर खुशी जाहिर करते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि विश्वास का उदय- बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक महाविजय है। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए भावुक पल है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की अभूतपूर्व महाविजय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की मुहर और तृणमूल कांग्रेस के कुशासन, भ्रष्टाचार, टोलाबाजी, घुसपैठ,

तुष्टिकरण, अराजकता एवं गुंडागर्दी की करारी हार है। सोमवार को एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि इतिहास गवाह है कि बंगाल जब परिवर्तन ठान लेता है तो कोई भी ताकत उसे नहीं रोक पाती। गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर, बंकिम चन्द्र चटर्जी, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी जैसे महान देशभक्तों की पावन धरा ने तृणमूल कांग्रेस के अहंकार को चूर-चूरकर पहली बार भाजपा पर भरोसा जताया है। उन्होंने इस प्रचंड विजय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य एवं नेता प्रतिपक्ष सुवेन्दु अधिकारी और बूथ-स्तरीय कर्मठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई दी और प्रदेश के सभी मतदाताओं का हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार 'आमार शोनार बांग्ला' के ध्येय से 'विकसित पश्चिम बंगाल' बनाने को कृत-संकल्पित है।

विकास, सुशासन और राष्ट्रहित के पक्ष में ऐतिहासिक जनादेश : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी के विधानसभा चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश जागरूक, राष्ट्रनिष्ठ और विकासोन्मुख जनता की परिपक्व सोच का परिणाम है, जिसने सुशासन, स्थिरता और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को असम और पुडुचेरी में पुनः जनादेश प्राप्त होना तथा पश्चिम बंगाल में पार्टी की ऐतिहासिक सफलता, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित सुशासन और 'विकसित भारत' के संकल्प पर जनता के अटूट विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने इसे तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और भय की राजनीति पर विकास और राष्ट्रवाद की निर्णायक विजय बताया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल की सफलता को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह विजय वहां के समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, त्याग और संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह जीत भारतीय लोकतंत्र, जनविश्वास और राष्ट्र की एकता की जीत है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन देश को 'विकसित भारत' की दिशा में और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री साय ने इस सफलता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीतिक नेतृत्व क्षमता तथा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के संगठनात्मक कौशल की सराहना की। उन्होंने कहा कि देशभर के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने बंगाल और असम में योगदान दिया, जिनके परिश्रम से यह उपलब्धि संभव हुई। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विपक्षी दलों के लिए आत्ममंथन का अवसर है। देश की जनता अब झूठ, दुष्प्रचार और भय की राजनीति को अस्वीकार कर चुकी है और विकास, पारदर्शिता एवं सुशासन को ही अपना समर्थन दे रही है। मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों और प्रशासनिक अधिकारियों का भी आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री साय ने इस ऐतिहासिक विजय के लिए सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि यह जनादेश देश को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

विधायक ने 6.15 करोड़ की लागत से बनने वाले सड़क का किया शिलान्यास

अररिया। फारबिसगंज रेलवे स्टेशन चौक से पंचमुखी मंदिर तक 6 करोड़ 15 लाख 14 हजार रूपये की लागत से बनने वाले 1.200 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य के आरम्भ का सोमवार को विधायक मनोज विश्वास ने आधारशिला रखा।

पथ निर्माण विभाग की ओर से सिलीगुड़ी की निर्माण कार्य एजेंसी कैमेक इंजिनियर्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से सड़क का निर्माण कार्य किया जाना है।23 जून 2026 तक कार्य समाप्ति का लक्ष्य निर्धारित है।फारबिसगंज रेलवे स्टेशन चौक से पंचमुखी हनुमान मंदिर तक यह सड़क वाया बड़ा शिवालय,ट्रेनिंग स्कूल चौक तक पथ का चौड़ीकरण के साथ मजबूतीकरण का कार्य किया जाएगा। मौके पर विधायक मनोज विश्वास ने कहा कि फारबिसगंज विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान को लेकर वह गंभीर है और लगातार उनके द्वारा विधानसभा में सवाल उठाने के साथ अधिकारियों से शहर के विकास कार्यों को लेकर मंथन और पत्राचार करते हैं।यह सड़क शहर की घनी आबादी के बीच से गुजरेगी।सड़क की हालत काफी दयनीय थी,खासकर पोखर बस्ती और ट्रेनिंग स्कूल के पास।सड़क का न केवल मजबूतीकरण का कार्य होगा,बल्कि सड़क का चौड़ीकरण भी किया जाएगा।जिससे बड़ी आबादी को फायदा मिलेगा।उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में फारबिसगंज शहर समेत ग्रामीण इलाकों में कई विकास कार्य मिलेंगे।उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी को स्पष्ट रूप से कार्य की गुणवत्ता में किसी तरह की कोताही नहीं बरतने की सख्त हिदायत देने की बात कही।

मौके पर आयोजित शिलान्यास समारोह में विधायक के अलावा नप की मुख्य पार्षद वीणा देवी, कांग्रेसी नेता करण कुमार पप्पू, गुलाबचंद ऋषिदेव, पैक्स अध्यक्ष राजीव रंजन,सुनील मंडल, कलानंद विश्वास, दिलीप मेहता, रजत रंजन, सुनील यादव, संतोष मंडल, अमर कुमार,सुनील यादव, आलोक गुप्ता, मो.मुस्तफा, परवेज उर्फ गुड्डू, मुखिया प्रतिनिधि कफिल अंसारी, मो.रियाज,पार्षद ईरशाद सिद्दकी, अरविंद थानदार, मुकेश विश्वास, मिथुन विश्वास, राजू विश्वास, नियाज़ दाऊद, इम्तियाज अंसारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

कर्नाटक की दोनों सीटों के उपचुनाव में कांग्रेस ने कब्जा रखा बरकरार

बेंगलुरु। कर्नाटक राज्य की बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव में कांग्रेस ने दोनों सीटों पर जीत दर्ज अपना कब्जा बरकरार रखा। बागलकोट विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार उमेश मेती ने भाजपा उम्मीदवार वीरन्ना चरंतिमठ को 21,866 वोटों के अंतर से हराया। मतगणना की शुरुआत से ही मेती ने बढ़त बनाए रखी और अंत तक इसे कायम रखा। चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार उमेश मेती को 97,941 वोट मिले, जबकि वीरन्ना चरंतिमठ को 76,075 वोट मिले। परिणाम घोषित होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। राज्य की दूसरी दावणगेरे दक्षिण सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार समर्थ शमनूर ने पहली बार जीत हासिल की। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार श्रीनिवास दासकरियप्पा को 5,708 वोटों से हराया। समर्थ शमनूर, दिवंगत वरिष्ठ विधायक शामनूर शिवशंकरप्पा के पोते हैं और उन्होंने परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया है। इस सीट पर कुछ असंतोष के बावजूद कांग्रेस ने जीत हासिल की। राज्य में दोनों सीटों पर कांग्रेस ने अपना कब्जा बरकरार रखा।

मुख्यमंत्री योगी ने नवचयनित पांच सौ लेखा परीक्षकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पांच सौ अभ्यर्थियों को लेखा परीक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री योगी ने किसी भी सरकार की पहली उपलब्धि राज्य में सुरक्षा एवं कानून का राज को बताया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा विभाग के 371 लेखा परीक्षकों एवं स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के लिए नवचयनित 129 लेखा परीक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए। इन अभ्यर्थियों का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा में हुआ है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले उप्र क्या था और उसके बाद क्या हुआ, यह आप सबने देख है। यह बदलाव किसी एक क्षेत्र में नहीं हुआ है। हर एक क्षेत्र में बदलाव हुआ है। सुरक्षा एवं कानून का राज किसी भी सरकार की पहली उपलब्धि है। वित्तीय प्रबंधन एवं वित्तीय अनुशासन देखने को मिला। वित्तीय प्रबंधन न होता रेवड़ी की तरह धन बांटा जाता है। कर्ज के नीचे उप्र के लोग दबाए होते। उन्होंने कहा कि जिस उप्र को 2017 से पहले कोई बैंक कर्ज देने को तैयार नहीं था, उस प्रदेश को आज हम भारत का रेवेन्यू सरप्लस स्टेट नहीं बना पाते। हमे प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय को तीन गुना करने में सफलता मिली है। उप्र के बजट को आकार के अनुरूप तीन गुना करने में सफलता मिली है। 2017 हमारी नयी नयी सरकार आई थी। खजाने में पैसा नहीं था। मै भौचक था। कोई बैंक हमारा फोन उठाने को तैयार नहीं था। मै परेशान था कि इतनी बड़ी आवादी का राज्य कैसे चलेगा। तब हमने तय किया कि हम किसी बैंक के पास नहीं जाएंगे। अपना रिसोर्स तैयार करेंगे।

उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे बनाते समय भी हम किसी भी बैंक के पास कर्ज के लिए नहीं गए। विभिन्न खर्चों को जोड़कर कुल मिलाकर 42 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए। कई बैंक पैसा लिए खड़े थे। हमने कहा कि अब उप्र रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। इसी प्रकार से मुख्यमंत्री योगी ने अपनी सरकार की उपलब्धियों भी गिनाईं और नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में वित्तीय कुप्रबंधन देखने को मिला।

जिस महापुरुष ने कांग्रेस के खिलाफ लड़ाई लड़ी उन्हीं के नाम पर बना जेपीएनआईसी सेंटर में लागत बताया गया कि 200 करोड़ और खर्च हुआ साढ़े सात सौ करोड़। यह ही वित्तीय कुप्रबंधन। अब उसे ठीक करते हुए प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं।

लखनऊ समेत कई जिलों में बारिश, सीएम ने दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। खराब मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से सतर्क रहने की अपील की है। आंधी, तेज हवाओं और बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने देर रात जारी बयान में लोगों को आगाह किया था। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार कई जिलों में तेज हवाएं, गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। ऐसे में लोगों को खुले मैदान, पेड़ों के नीचे और बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचना चाहिए। किसानों से अपनी फसल और पशुधन का भी ख्याल रखने की अपील की है। मुख्यमंत्री योगी ने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि खराब मौसम के दौरान बच्चों को घर के अंदर ही रखें। वहीं प्रशासन को भी पूरी तरह मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं। सभी जिलाधिकारियों, पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है। राहत और बचाव टीमों को सक्रिय कर दिया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके। सरकार हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है, लेकिन जनता का सहयोग बेहद जरूरी है।

प्रदेश के मौसम केंद्र ने कई जिलों में भारी ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। खासकर तराई और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच और लखीमपुर खीरी में इसका अधिक असर देखने को मिल सकता है।

जौनपुर में दूल्हे की हत्या में शामिल चार आरोपित पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में सरायख्वाजा थाना अंतर्गत दूल्हे आजाद बिंद की सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोमवार सुबह खेतासराय थाना क्षेत्र के बादशाही बाजार में हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान तीन आरोपितों को गोली लगी है, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सोमवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात नकाबपोश बदमाशों ने बारात लेकर जा रहे दूल्हे आजाद बिंद की कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद से पुलिस लगातार आरोपितों की तलाश में जुटी थी। इसी बीच सोमवार सुबह पुलिस से हुई मुठभेड़ में घायल आरोपितों की पहचान संदहा निवासी कुशल मिश्रा, अमितेश मिश्रा और खुटहन निवासी विकास के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य आरोपी खुटहन निवासी अजय यादव को भी गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, इस मामले का मुख्य आरोपित आजमगढ़ निवासी प्रदीप बिंद अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

सुलतानपुर में नदी में वृद्ध और नहर में मिला युवती का शव, पुलिस कर रही जांच

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में सोमवार को नदी और नहर से दो शव बरामद हुए हैं। इनमें चांदा थाना क्षेत्र के कोइरीपुर स्थित पीली नदी में एक वृद्ध का शव मिला जबकि शिवगढ़ के बेलाही नहर में एक युवती का शव मिला है। पुलिस जांच कर रही है। चांदा कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत कोइरीपुर स्थित जालपा मंदिर के पास पीली नदी में एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना पर चांदा पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। सीओ लंभुआ ऋतिक कपूर और कोतवाली प्रभारी अमित कुमार मिश्रा की मौजूदगी में शव को नदी से बाहर निकाला गया। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद मृतक की बहन रीमा ने अपनी ससुराल से आकर शव की पहचान नन्हे बनरवाल (50) पुत्र साधुराम बनरवाल, निवासी कंचन नगर कोइरीपुर के रूप में की। नन्हे बनरवाल कबाड़ बीनने का काम करते थे। वह अविवाहित थे और घर पर अकेले रहते थे, जबकि उनके बड़े भाई मुंबई में रहते हैं। उधर शिवगढ़ थाना क्षेत्र में सकवा और अर्जुनपुर के बीच शंभूगंज-कामतागंज रोड पर बेलाही नहर में एक युवती का शव मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखकर तत्काल शिवगढ़ पुलिस को सूचना दी। युवती ने काले रंग का ब्लाउज या सूट/साड़ी पहन रखी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इससे पहले रविवार को धम्मौर के महेशरगंज नहर में एक अज्ञात शव बहता हुआ देखा गया था, जबकि लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मोहना में तालाब में अर्पित गुप्ता पुत्र श्रीनाथ गुप्ता(14वर्ष), निवासी ग्राम पथरा, कोतवाली लंभुआ का शव मिला था।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर सुलतानपुर में जश्न, पटाखे फोड़े

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद भारतीय जनता पार्टी के बेहतर प्रदर्शन पर सुल्तानपुर में जश्न मनाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और मिठाइयां बांटकर इस जीत का स्वागत किया।

भाजपा प्रदेश मंत्री और जिला प्रभारी मीना चौबे ने सोमवार को बातचीत में कहा कि इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोक-कल्याणकारी नीतियों और जनता के उन पर विश्वास को दिया। मीना चौबे ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल की जनता लंबे समय से अत्याचार सह रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इंडी गठबंधन, समाजवादी पार्टी और टीएमसी ने नारी शक्ति का उपहास उड़ाया। श्रीमती चौबे के अनुसार, बंगाल की जनता यह सब देख रही थी और नारी शक्ति वंदन अधिनियम तथा महिलाओं के प्रति बढ़ते सम्मान के बावजूद विपक्ष ने महिलाओं को 'दोयम दर्जे का' बताने का दुस्साहस किया, जिसका जवाब उन्हें मिल गया है। उन्होंने बंगाल की पिछली स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि वहां बेटियां और आम नागरिक 'रक्तरंजित' हो रहे थे।

उन्होंने भ्रष्टाचार और 'कट मनी' के कारण जनता के त्रस्त होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अब बंगाल इन समस्याओं से मुक्त हो चुका है और वहां भी उत्तर प्रदेश की तरह सुशासन स्थापित होगा। अपने संबोधन में उन्होंने यह भी बताया कि वह स्वयं बंगाल में रह चुकी हैं और वहां के लोगों से उनका गहरा जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि वह लगातार वहां के लोगों के संपर्क में थीं और उनके अनुसार, बंगाल का हर नागरिक चाहता था कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आए ताकि गुंडागर्दी और अराजकता समाप्त हो सके। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, पूर्व मंत्री व जगदीशपुर विधायक सुरेश पासी, पार्टी प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, डॉ. एमपी सिंह, रेखा निषाद आदि मौजूद रहे।

हर्ष फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश का देवरिया जनपद में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के आधार पर भटनी थाना पुलिस ने हर्ष फायरिंग के आरोपित को सोमवार गिरफ्तार कर लिया गया है।

थानेदार मृत्युंजय राय ने बताया कि हर्ष फायरिंग के वायरल वीडियो की जांच में पता चला कि यह घटना 28 अप्रैल 2026 की है, जो थाना क्षेत्र के ग्राम नोनापार में एक तिलक समारोह के दौरान की जा रही थी। वीडियो में ग्राम निवासी राममनु यादव अपने भतीजे के तिलक कार्यक्रम में राइफल से हर्ष फायरिंग करते दिखाई दे रहे थे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मु0अ0सं0-115/2026 के तहत धारा 118(1), 125, 109 बीएनएस तथा 25(1), 30 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया था और आज नामजद आरोपित राममनु यादव को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुठभेड़ में दो शातिर गिरफ्तार, एक के पैर में गोली, चोरी का माल बरामद

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद में भोजीपुरा थाना पुलिस ने रविवार की बीती अर्ध रात्रि मुठभेड़ के दौरान दो शातिर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपित बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि एक आरक्षी भी घायल हो गया। मौके से अवैध तमंचा, कारतूस और चोरी का सामान बरामद किया गया है।

सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी हाईवे शिवम आशुतोष ने सोमवार की सुबह बताया कि थाना भोजीपुरा की टीम बीती रात गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि प्राथमिक विद्यालय दलपतपुर में हुई चोरी के मामले में वांछित आरोपित दोबारा वारदात की फिराक में निकले हैं और चोरी का माल ठिकाने लगाने जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने बासुन्धरन ढाल से दलपतपुर जाने वाले रास्ते पर चेकिंग शुरू कर दी ।करीब 2:45 बजे दो संदिग्ध व्यक्ति कंधे पर बोरी टांगें पैदल आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो दोनों खेतों की ओर भागने लगे और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इस दौरान चली एक गोली आरक्षी दीपक के बाजू को छूते हुए निकल गई।

सहायक पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदायूं जिले के हजरतपुर थाना क्षेत्र के गांव गाड़िया पैगंबरपुर निवासी अफसर अली के पैर में गोली लग गई। वहीं, दूसरा आरोपित शाहजहांपुर जिले के परौर थाना क्षेत्र के गांव कुंडरी आश्रम निवासी हसनैन उर्फ साहिल को भी घेराबंदी कर खेतों से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, गैस सिलेंडर, गैस चूल्हा, 10 स्टील की थालियां और 2200 रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामद सामान हाल ही में दलपतपुर के प्राथमिक विद्यालय में हुई चोरी से संबंधित बताया जा रहा है। घायल आरोपित और आरक्षी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोजीपुरा भेजा गया है।

प्रदेश भर में तेज आंधी-पानी से जनजीवन प्रभावित, कई जगह पेड़ उखड़े, ओले भी गिरे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सोमवार सुबह तेजी आंधी-पानी से जन जीवन को बुरी तरह से प्रभावित हो गया। कई जगह पेड़ गिरने से आवागमन बाधित रहा, जबकि कई जगह ओलावृष्टिहुई और आसमान में अंधेरा छा गया। हालांकि कुछ ही घंटों के बाद आसमान साफ हो गया और धूप निकल आयी।

वहीं मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में लगातार मौसम बदल रहा है। कभी तेज धूप तो कभी आंधी पानी से लोगों का जन जीवन प्रभावित हो रहा है, लेकिन सोमवार सुबह आसमान में धूल भरी आंधी चलने से एकाएक मौसम बदल गया। काले बादल छा गये और तेज हवाएं चलने लगीं। राजधानी लखनऊ और आसपास के जिलों में अयोध्या, बाराबंकी, गोंडा, बलरामपुर, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, उन्नाव और रायबरेली में आंधी के साथ बारिश होने लगी। सुबह ही बारिश होने से सबसे अधिक परेशानी विद्यार्थियों और शिक्षकों को हुई है। खराब मौसम से विद्यालयों में आज अन्य दिनों के मुकाबले आज कम उपस्थिति दर्ज की गयी है। इस दौरान 80-100 किमी घंटा की गति से हवाएं चलने से कई जगह पेड उखड़ गये।

राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम समेत कई क्षेत्रों में पेड़ और बिजली के पोल उखड़ने से जाम की स्थिति बन गयी। गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती और बरेली में भी जगह-जगह पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित हुआ है। बदायूं में हाइवे पर पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। कई शहरों में बिजली की आपूर्ति भी बाधित रही। मौसम के इस रुख से फसलों को नुकसान हो रहा है। इतना ही नहीं तेज हवाओं ने आम की फसल को भी नुकसान पहुंचाया है।

तेज आंधी-पानी से तापमान भी कम हो गया है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलों में राहत कार्य तेज करने और घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि प्रदेश में अति वर्षा और तेज आंधी से हुई जनहानि समेत सभी प्रकार के नुकसान का आकलन कर 24 घंटे के भीतर मुआवजा दिया जाए। साथ ही अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए निर्देश दिए हैं। वहीं मौसम विभाग लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम बदला हुआ है। उत्तर प्रदेश में अगले 5 दिनों तक पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई जगह गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

4 से 7 मई के बीच हवाओं की रफ्तार 40 से 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि के भी आसार हैं, जबकि वज्रपात को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। हालांकि अच्छी बात यह है कि इस बदलते मौसम के कारण फिलहाल अगले एक हफ्ते तक लोगों को भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने की उम्मीद है।

विंध्यधाम में उमड़ी आस्था की भीड़, दर्शन को घंटों कतार में खड़े रहे श्रद्धालु

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में मां विंध्यवासिनी धाम में सोमवार को मुण्डन व यज्ञोपवीत संस्कार के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में लंबी कतारें लग गईं, जिससे दर्शन-पूजन के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

श्रद्धालुओं के अनुसार, लंबी प्रतीक्षा के बाद जब वे गर्भगृह के पास पहुंचे तो अंदर पहले से मौजूद पंडों की अधिक संख्या के कारण उन्हें व्यवस्थित ढंग से दर्शन-पूजन का अवसर नहीं मिल सका। इसको लेकर कुछ श्रद्धालुओं में असंतोष भी देखने को मिला। बताया जा रहा है कि इन दिनों विंध्यधाम में श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे व्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ गया है। भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुचारू दर्शन व्यवस्था के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि किसी को असुविधा न हो।

घरेलू मैदान पर अपने रिकॉर्ड में सुधार करने का प्रयास करेगी दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स को अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन हार झेलने के सिलसिले को खत्म करने के लिए मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले मैच में खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली और चेन्नई दोनों टीम के नौ मैचों में आठ-आठ अंक हैं। अब जबकि उनके पांच मैच बचे हुए हैं तब छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है। दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार तीन हार के बाद शुक्रवार को जयपुर में खेले गए मैच में महत्वपूर्ण जीत हासिल की। उसने इससे पहले जो तीन मैच गंवाए थे उनमें से दो हार उसे घरेलू मैदान पर मिलीं थी। कोटला में पंजाब किंग्स के खिलाफ उसकी टीम 264 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाई थी जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उसके बल्लेबाज नहीं चल पाए थे। इससे पहले दिल्ली को कोटला में गुजरात टाइटंस से भी एक रन से हार का सामना करना पड़ा था। सीएसके के खिलाफ मैच से पहले दिल्ली के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका अपनी लय में आ गए हैं। केएल राहुल अच्छी फॉर्म में हैं, जबकि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के आने से उसका गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। जयपुर में अपने आखिरी ओवर में तीन छक्के खाने के बाद कुलदीप यादव अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेंगे। वह अभी तक टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने नौ मैचों में केवल सात विकेट लिए हैं और प्रति ओवर 10.26 रन लुटाए हैं। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ टी नटराजन का भी इकोनॉमी रेट अच्छा नहीं है। उन्होंने नौ मैचों में केवल पांच विकेट लिए हैं। उतार-चढ़ाव भरे दौर के बावजूद कप्तान अक्षर पटेल शांत और व्यावहारिक बने रहने में कामयाब रहे हैं। अक्षर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद कहा था, ''आपको हर दिन अभ्यास करते रहना होगा। आप हमेशा परिस्थितियों को बदल सकते हैं। इसलिए मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन से मैं खुश हूं।'' सत्र के अपने 10वें मैच से पहले सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने पीटीआई को पुष्टि की कि महेंद्र सिंह धोनी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं जिसके कारण वह कोटला में होने वाले मैच में भी नहीं खेल पाएंगे। दिल्ली की तरह सीएसके भी नाजुक स्थिति में है और अगर वे इस मैच में जीत हासिल नहीं कर पाते हैं तो फिर उनका प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होना तय हो जाएगा। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सत्र के शुरू में रन बनाने के लिए जूझ रहे थे जिससे टीम को काफी नुकसान हुआ। ऐसे में संजू सैमसन ने अकेले ही सारा भार संभाला। लेकिन गायकवाड अब फॉर्म में लौट आए हैं। उन्होंने पिछले दो मैचों में अर्धशतक लगाए। चोटिल आयुष म्हात्रे के हटने के बाद उर्विल पटेल ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेली गई उनकी 12 गेंदों में 14 रन की पारी उनके आत्मविश्वास के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। यही बात कार्तिक शर्मा पर भी लागू होती है, जिन्होंने शनिवार रात को अपना पहला अर्धशतक लगाया। सीएसके ने अपनी चार जीत में से दो जीत मुंबई इंडियंस की टीम के खिलाफ हासिल की है जो इस सत्र में संघर्ष कर रही है। सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ चेन्नई में खेले गए मैच में जीत हासिल की थी और वह उससे प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी।

इस प्रकार हैं टीम

दिल्ली कैपिटल्स: अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिज़वी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, डेविड मिलर, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिल पारख, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, अजय जादव मंडल, करुण नायर, टी नटराजन।

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, अमन खान।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

जयशंकर ने जमैका को उपहार में दिए गए इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड का अनावरण किया

किंगस्टन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत द्वारा जमैका को उपहार में दिए गए इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड को इस कैरेबियाई देश को समर्पित करते हुए कहा कि क्रिकेट इन दोनों देशों के बीच सेतु का काम करता है। जयशंकर ने रविवार को एक समारोह में जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस के साथ मिलकर यहां सबीना पार्क में इस इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड का अनावरण किया। इस अवसर पर जयशंकर ने कहा कि क्रिकेट भारत और जमैका के बीच संबंधों को मजबूत बनाता है तथा भारत में एक अरब से अधिक लोग इस खेल को पूरे जुनून के साथ देखते हैं। उन्होंने कहा, ''खेल साझा अनुभव और आपसी सम्मान को बढ़ावा देकर देशों को करीब लाते हैं। जहां तक भारत और जमैका के संबंधों की बात है तो क्रिकेट का इसमें विशेष महत्व है।'' किंगस्टन स्थित सबीना पार्क जमैका क्रिकेट टीम का घरेलू मैदान है। यह वेस्टइंडीज के इस राष्ट्र का एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैदान है। सबीना पार्क के ऐतिहासिक महत्व के बारे में जयशंकर ने कहा कि इस मैदान से भारतीय क्रिकेट की विशेष यादें जुड़ी हुई हैं, जिसमें दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का शतक और 2011 में विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण शामिल है। जयशंकर ने इससे पहले सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''भारत और जमैका की कहानी रनों में लिखी गई है, सम्मान में लिखी गई है, दोस्ती में लिखी गई है। प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस जेएम के साथ सबीना पार्क में भारत द्वारा उपहार में दिए गए इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड का औपचारिक रूप से अनावरण किया।'' जयशंकर ने कहा कि अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड जमैका में क्रिकेट प्रेमियों के लिए अनुभव को बेहतर बनाएगा और यह दोनों देशों के बीच स्थायी क्रिकेट भागीदारी का प्रमाण है। जयशंकर ने आशा व्यक्त की कि नया स्कोरबोर्ड कई यादगार पारियों का गवाह बनेगा, जिनमें वे पारियां भी शामिल होंगी जो दोनों देशों के बीच अटूट मित्रता का प्रतीक होंगी। उन्होंने कहा, ''भविष्य की कई महान पारियों को इस स्कोरबोर्ड पर दर्ज किया जाएगा। उनमें से एक भारत-जमैका की मित्रता की पारी भी हो।'' जमैका की समृद्ध क्रिकेट विरासत के बारे में उन्होंने कहा कि जॉर्ज हेडली, माइकल होल्डिंग, कर्टनी वॉल्श, क्रिस गेल और एंड्रयू रिचर्डसन जैसे महान खिलाड़ियों के इस देश को विश्व स्तर पर अपार सम्मान प्राप्त है। जयशंकर ने कहा कि जमैका के क्रिकेटरों को भारतीय प्रशंसकों से भरपूर समर्थन मिलता है, जिसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भी शामिल है। जयशंकर ने इस समारोह में गेल की अनुपस्थिति पर भी ध्यान दिलाया और कहा कि उनकी कमी महसूस की गई।

चोटिल फिल साल्ट स्कैन के लिए स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट पिछले महीने उंगली में लगी चोट का स्कैन कराने के लिए इंग्लैंड लौट गए हैं। इस चोट के कारण साल्ट आरसीबी के पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह उनके हमवतन जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ पारी का आगाज किया। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी 18 अप्रैल को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर बाउंड्री बचाने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गया था। उनकी बाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, ''ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से अनुबंधित साल्ट इंग्लैंड के टीम प्रबंधन के अनुरोध पर स्वदेश लौट गए हैं और उनकी उंगली का स्कैन किया गया है।

अच्छा प्रदर्शन न करने पर भी दो अंक हासिल करने में सफल रहे हैं: होल्डर

अहमदाबाद। जेसन होल्डर का मानना है कि गुजरात टाइटन्स ने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन इसके बावजूद वह मैच जीत रहा है और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है। होल्डर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ चार विकेट लेकर गुजरात की पांच विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि टीम व्यक्तिगत प्रदर्शन के बजाय सामूहिक प्रयास से जीत हासिल कर रही है। होल्डर में मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''हम जिस तरह से खेल रहे हैं उसकी खूबसूरती यह है कि हम किसी भी मैच में केवल एक खिलाड़ी के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं हैं और अलग-अलग दिनों में अलग-अलग खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने अभी तक शायद अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं खेला है, लेकिन इसकी खूबसूरती यह है कि हम तब भी जीत हासिल करके दो अंक हासिल कर रहे हैं।'' गुजरात इस मैच में बड़ी जीत हासिल कर सकता था लेकिन उसने एक गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल किया। होल्डर ने हालांकि नेट रन-रेट को लेकर चिंतित होने के बजाय दो अंक हासिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि पहली प्राथमिकता हमेशा मैच जीतना होती है। अगर हम ऐसी स्थिति में होते हैं जहां परिस्थितियां अनुकूल हों तो हम नेट रन-रेट के बारे में सोच सकते हैं। मुझे लगता है कि हम ऐसा करेंगे।'' वेस्टइंडीज के इस ऑलराउंडर ने कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि हमारी पहली प्राथमिकता हर मैच में दो अंक हासिल करना और अपनी लय बनाए रखना है। हम लगातार तीन जीत के साथ अच्छे फॉर्म में हैं। इसलिए हमें बस अपनी निरंतरता बनाए रखनी है। मुझे लगता है कि रन रेट और इस तरह की चीजें अपने आप ठीक हो जाएंगी।'' होल्डर ने चार मैचों में सात विकेट लिए हैं, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में लगातार विकेट लेने के लिए तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज को काफी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, ''केजी (रबाडा) और सिराज दोनों को श्रेय जाता है। मुझे लगता है कि उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में पावरप्ले में दबदबा बनाए रखा है और विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। यह उनकी प्रतिभा का प्रमाण है।'' होल्डर ने कहा, ''मेरे कहने मतलब है कि मैंने बहुत कम ही देखा है कि दो गेंदबाज पावरप्ले में लगातार तीन ओवर फेंकें। इससे उनकी क्षमता का पता चलता है। मुझे लगता है कि जब वे शुरुआत करते हैं तो यह तय कर देते हैं कि किसी खास विकेट पर किस लेंथ की गेंदबाजी कारगर रहेगी। इसके बाद बाकी गेंदबाजों को बस उनका अनुसरण करना होता है।

रियाल मैड्रिड ने बार्सिलोना का स्पेनिश लीग खिताब का इंतजार बढ़ाया

मैड्रिड। विनीसियस जूनियर (55वें और 66वें मिनट) ने दूसरे हाफ में दो गोल किए जिससे रियाल मैड्रिड ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर बार्सिलोना का लगातार दूसरी बार स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा का खिताब जीतने का इंतजार बढ़ा दिया। बार्सिलोना ने शनिवार को ओसासुना को 2-1 से हराकर रियाल मैड्रिड पर 14 अंकों की बढ़त बना ली थी। रियाल मैड्रिड अगर एस्पेनयोल से नहीं जीत पाता तो बार्सिलोना 29वां लीग खिताब अपने नाम कर देता। बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच अब 11 अंक का अंतर रह गया है। अब जबकि इस प्रतियोगिता में चार दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं तब बार्सिलोना 34 मैच में 88 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 77 अंक हैं। इन दोनों टीमों के बीच अब इस सप्ताह के आखिर में मैच खेला जाएगा जिसमें जीत दर्ज करने पर बार्सिलोना चैंपियन बन जाएगा। मैड्रिड के कोच अल्वारो अर्बेलोआ ने कहा, ''हमारा मुकाबला एक मजबूत प्रतिद्वंदी से है और वे अच्छा खेल रहे हैं। यह मैच प्रशंसकों और हमारे लिए खास है।

एनसीएलएटी ने जेपी मामले में अदाणी समूह की बोली के खिलाफ वेदांता की अपील खारिज की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने उद्योगपति अनिल अग्रवाल नीत वेदांता लिमिटेड की दो याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। कंपनी ने इनमें कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए गौतम अदाणी नीत अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की बोली के चयन को चुनौती दी थी। एनसीएलएटी ने वेदांता द्वारा उठाए गए मुद्दों में कोई आधार नहीं पाया और उसकी दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया।

एनसीएलएटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो-सदस्यीय पीठ ने पाया कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने जेएएल के लिए वेदांता की समाधान योजना के मुकाबले अदाणी समूह की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को प्राथमिकता देकर सही फैसला किया था। इस फैसले को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंजूरी दे दी थी, जिसके खिलाफ वेदांता ने एनसीएलएटी में अपील दायर की थी। एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा, '' अपीलकर्ता (वेदांता) द्वारा ऐसा कोई आधार नहीं बनाया गया है जिससे निर्णायक प्राधिकरण (एनसीएलटी) के निर्णय में हस्तक्षेप किया जा सके। अपील में कोई दम नहीं है। दोनों अपीलें खारिज की जाती हैं। कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है।'' अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) का निर्णय '' विभिन्न समाधान योजनाओं के समग्र मूल्यांकन'' और उनकी व्यावसायिक समझ पर आधारित था।

जेपी समूह की प्रमुख कंपनी जेएएल को 57,185 करोड़ रुपये कर्ज के भुगतान में चूक के बाद जून 2024 में कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में शामिल किया गया था। प्रस्ताव प्रक्रिया में 28 कंपनियों ने रुचि दिखाई जिनमें से वेदांता, अदाणी एंटरप्राइजेज और अन्य सहित छह अंतिम बोलीदाता चुने गए। अदाणी और वेदांता प्रमुख दावेदार के रूप में उभरे, जिसमें अदाणी के प्रस्ताव को अग्रिम वसूली एवं समग्र मूल्य के मामले में बेहतर अंक मिले। सीओसी ने 93.81 प्रतिशत मतों के साथ नवंबर 2025 में अदाणी की योजना को मंजूरी दी। वेदांता ने बाद में 16,070 करोड़ रुपये का संशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत किया लेकिन लेनदारों ने समय सीमा के बाद परिवर्तनों पर रोक लगाने वाले नियमों का हवाला देते हुए इस पर विचार करने से इनकार कर दिया। वेदांता ने तर्क दिया कि प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी थी और उसकी संशोधित बोली बेहतर मूल्य प्रदान करती थी। लेनदारों ने इसका खंडन करते हुए कहा कि संशोधित प्रस्ताव तभी प्रस्तुत किया गया जब वेदांता को पता चला कि वह विजेता बोली से पीछे चल रही है।

इससे पहले 24 मार्च को एनसीएलएटी ने वेदांता समूह की उस याचिका पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया था, जिसमें राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के 17 मार्च के आदेश को चुनौती दी गई थी। हालांकि एनसीएलएटी ने कहा था कि अंतिम फैसला अपील के परिणाम पर निर्भर करेगा। एनसीएलएटी के सोमवार के फैसले से अदाणी द्वारा जेएएल के अधिग्रहण का रास्ता साफ हो गया है, बशर्ते वेदांता इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती न दे। एनसीएलएटी ने अपने आदेश में यह भी कहा कि समाधान प्रक्रिया के दौरान समाधान पेशेवर द्वारा कोई ''महत्वपूर्ण अनियमितता'' नहीं की गई। वेदांता ने मूल्यांकन मानदंड पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उसकी बोली सकल मूल्य के लिहाज से 3,400 करोड़ रुपये अधिक और शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) के आधार पर लगभग 500 करोड़ रुपये अधिक थी। इसे खारिज करते हुए एनसीएलएटी ने कहा कि सीओसी द्वारा उच्च मूल्य वाली योजना को मंजूरी न देना ''मनमाना या अनुचित'' नहीं कहा जा सकता। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की इलाहाबाद पीठ ने 17 मार्च को जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी, जिसे वेदांता ने एनसीएलएटी में चुनौती दी थी। एनसीएलएटी ने 23 अप्रैल को वेदांता, समाधान पेशेवर, सीओसी और अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड सहित सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी कर ली थी। वेदांता ने इस आदेश को उच्चतम न्यायालय में भी चुनौती दी थी लेकिन शीर्ष अदालत ने रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने यह निर्देश दिया कि जेएएल की निगरानी समिति कोई भी बड़ा नीतिगत निर्णय लेने से पहले न्यायाधिकरण की अनुमति ले।

बजाज ऑटो की अप्रैल में कुल बिक्री 40 फीसदी बढ़कर 5,13,792 इकाई

नई दिल्ली। प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड की अप्रैल महीने में कुल बिक्री 40 फीसदी बढ़कर 5,13,792 इकाई पर पहुंच गई। पिछले साल के इसी अवधि में यह 3,65,810 इकाई रही थी। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि बजाज ऑटो लिमिटेड ने अप्रैल महीने में अपनी कुल बिक्री में 40 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। अप्रैल में यह बिक्री 5,13,792 इकाई रही है, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 3,65,810 इकाई थी। इस दौरान घरेलू बिक्री 13 फीसदी बढ़कर 2,48,210 इकाई हो गई, जबकि अप्रैल 2025 में यह 2,20,615 इकाई थी। इस वृद्धि का मुख्य कारण 83 फीसदी की भारी निर्यात वृद्धि है। कंपनी ने बताया कि पिछले साल इसी महीने के 1,45,195 इकाई के मुकाबले निर्यात में 83 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और यह बढ़कर 2,65,582 इकाई हो गया है। पिछले महीने घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री 2,10,063 इकाई रही है, जबकि अप्रैल 2025 में यह 1,88,615 इकाई थी। इस तरह बिक्री में 11 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। कंपनी ने बताया कि दोपहिया वाहनों का निर्यात भी 78 फीसदी बढ़कर 2,29,890 इकाई हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1,29,322 इकाई था। बजाज ऑटो ने बताया कि अप्रैल 2026 में कुल कमर्शियल वाहनों की बिक्री 73,839 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 47,873 इकाई थी। इस तरह इसमें 54 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

एथर एनर्जी का चौथी तिमाही का शुद्ध घाटा 57 प्रतिशत घटकर 100 करोड़ रुपये

मुंबई। एथर एनर्जी का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध घाटा 57 प्रतिशत घटकर 100.23 करोड़ रुपये रह गया जो पिछले वर्ष समान अवधि में 234.36 करोड़ रुपये था। बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता कंपनी पिछले साल मई में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई थी। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 74 प्रतिशत बढ़कर 1,174.66 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष समान अवधि में 676.8 करोड़ रुपये थी। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध घाटा 517.17 करोड़ रुपये रहा, जो 2024-25 में 812.28 करोड़ रुपये था। वहीं, परिचालन आय सालाना आधार पर 2,255.01 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,671.76 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण मेहता ने बयान में कहा, '' वित्त वर्ष 2025-26 हमारे लिए मात्रा, बाजार हिस्सेदारी और वित्तीय प्रदर्शन के लिहाज से शानदार रहा है। हमने मजबूत उत्पाद-आधारित विकास के माध्यम से मांग बढ़ाने और वितरण के जरिये इसे व्यापक स्तर पर पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित किया है।'

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में अप्रैल में मामूली सुधार, ईरान युद्ध का मुद्रास्फीति पर दबाव: पीएमआई

नई दिल्ली। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में नए कारोबार की शुरुआत और उत्पादन में वृद्धि के मामले में अप्रैल में मामूली सुधार देखने को मिला, लेकिन वृद्धि दर लगभग चार वर्ष में दूसरे सबसे कमजोर स्तर से बढ़ी। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च के 53.9 के मुकाबले अप्रैल में 54.7 पर रहा। यह करीब चार साल में समग्र परिचालन परिस्थितियों में दूसरे सबसे धीमे सुधार को दर्शाता है। यह सूचकांक नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ताओं की आपूर्ति के समय और खरीद भंडार जैसे मानकों के आधार पर समग्र स्थिति को दर्शाता है। पीएमआई की भाषा में सूचकांक का 50 से ऊपर होने का मतलब विस्तार है जबकि 50 से नीचे होना संकुचन को दर्शाता है। पीएमआई के दो सबसे बड़े घटक नए ऑर्डर और उत्पादन मार्च की तुलना में बढ़े, लेकिन पिछले साढ़े तीन साल के स्तर से पीछे रहे। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' भारत का विनिर्माण पीएमआई अप्रैल में 53.9 से बढ़कर 54.7 हो गया, लेकिन यह अब भी लगभग चार साल में परिचालन स्थितियों में दूसरी सबसे धीमी सुधार दर को दर्शाता है।'' सर्वेक्षण प्रतिभागियों ने बताया कि विज्ञापन एवं मांग की मजबूती ने बिक्री और उत्पादन को सहारा दिया लेकिन प्रतिस्पर्धा की स्थिति, पश्चिम एशिया में युद्ध और ग्राहकों द्वारा लंबित 'कोटेशन' मंजूर करने में हिचक के कारण वृद्धि प्रभावित हुई। उत्पादन, नए ऑर्डर (निर्यात सहित) और रोजगार में हालांकि मध्यम वृद्धि दर्ज हुई जो विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती को दर्शाती है। वहीं, चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली (जनवरी-मार्च) तिमाही की शुरुआत में नए निर्यात ऑर्डर तेजी से बढ़े और वृद्धि की रफ्तार सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। कंपनियों ने ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जापान, केन्या, मुख्य भूमि चीन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और ब्रिटेन जैसे देशों से बेहतर मांग की जानकारी दी। कीमतों के मोर्चे पर कंपनियों ने संकेत दिया कि पश्चिम एशिया में युद्ध से महंगाई पर ऊपर की ओर दबाव बना हुआ है। कच्चे माल की लागत और तैयार माल की कीमतें कीमतें क्रमशः 44 महीने और छह महीने में सबसे तेज दर से बढ़ीं। एल्यूमिनियम, रसायन, विद्युत घटक, ईंधन, चमड़ा, पेट्रोलियम उत्पाद और रबर की कीमतों में वृद्धि के कारण अप्रैल में औसत लागत दबाव और बढ़ गया। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने इन बढ़ोतरी को अक्सर पश्चिम एशिया युद्ध से जोड़ा। कुल मिलाकर महंगाई दर अगस्त 2022 के बाद उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसके बाद कंपनियों ने अपने उत्पादों की कीमतें छह महीने में सबसे ज्यादा बढ़ाईं। रोजगार के मोर्चे पर, लंबित कार्यों में मामूली वृद्धि के बावजूद विनिर्माताओं ने पहली तिमाही की शुरुआत में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की। रोजगार सृजन की दर 10 महीने में सबसे मजबूत रही। भारतीय विनिर्माता भविष्य की वृद्धि संभावनाओं को लेकर आशावादी बने हुए हैं, हालांकि सकारात्मक भावना का स्तर मार्च की तुलना में कुछ कम हुआ है। कंपनियों को उम्मीद है कि विपणन प्रयास सफल होंगे और लंबित परियोजनाओं को मंजूरी मिलेगी।

यूपीआई के जरिए अप्रैल में हुए 22.35 अरब लेनदेन: डीएफएस

नई दिल्ली। यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के जरिये लेनदेन इस साल अप्रैल सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 22.35 अरब रहा। वित्तीय सेवा विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। पिछले वर्ष अप्रैल में यूपीआई के जरिये 17.89 अरब लेनदेन हुए थे।

मार्च 2026 में यूपीआई लेनदेन की संख्या 22.64 अरब के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, वहीं फरवरी में यह 20.39 अरब रहा थी। वित्तीय सेवा विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''अप्रैल 2026 में यूपीआई के जरिये 22.35 अरब लेनदेन हुए।'' यूपीआई के उपयोग में आसानी के साथ मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी है। इसके तहत भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दो-स्तरीय प्रमाणीकरण नियम है। इसमें पहला स्तर उपयोगकर्ता के बैंक खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर और दूसरा यूपीआई पिन होता है, जिससे लेनदेन तेज और सुरक्षित बनते हैं। वर्तमान में भारत में कुल डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है।

इसका प्रभाव देश की सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर पर वास्तविक समय पर डिजिटल भुगतान में करीब 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यूपीआई संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस और कतर सहित आठ देशों में सक्रिय है, जिससे वहां रहने या यात्रा करने वाले भारतीयों को बिना किसी अतिरिक्त जटिलता के भुगतान करने में सुविधा मिलती है।

जाह्नवी कपूर की 'लग जा गले' में देरी

धर्मा प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लग जा गले' इन दिनों अपनी स्टारकास्ट और कहानी को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई है। इस रिवेंज एक्शन ड्रामा में जाह्नवी कपूर, टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य लालवानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। हालांकि, फिल्म की शूटिंग को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है, जिसके अनुसार इसकी शूटिंग फिलहाल टाल दी गई है, जिससे फैंस को थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अब अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। इसकी मुख्य वजह लक्ष्य लालवानी के लुक में किया जा रहा बदलाव बताया जा रहा है। दरअसल, उनकी पिछली फिल्म 'चांद मेरा दिल' में उनका लुक काफी सौम्य था, लेकिन 'लग जा गले' में उन्हें एक रफ एंड टफ अवतार में दिखना है। इस नए लुक के लिए उन्हें अपने बाल बढ़ाने होंगे, जिसके चलते शूटिंग शेड्यूल को आगे खिसकाया गया है। उल्लेखनीय है कि अनन्या पांडे के साथ उनकी फिल्म 'चांद मेरा दिल' 22 मई को रिलीज होने जा रही है। सूत्रों के अनुसार, लुक में बदलाव पूरा होने के बाद फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू की जाएगी। खास बात यह है कि यह पहला मौका होगा जब टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य लालवानी एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे और दोनों के किरदारों के बीच टकराव फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा। वहीं जाह्नवी कपूर की मौजूदगी से कहानी में लव ट्रायएंगल का एंगल भी देखने को मिल सकता है, जो दर्शकों के लिए फिल्म को और दिलचस्प बना देगा।

कमाई के मामले में आगे निकली 'राजा शिवाजी'

मराठी सिनेमा और हिंदी दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाने वाली रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' एक मई को रिलीज होने के बाद से सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के पहले रविवार तक 33.90 करोड़ की नेट कमाई कर ली है, जबकि इसका ग्रॉस कलेक्शन 40 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। खास तौर पर मराठी संस्करण को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है, वहीं हिंदी संस्करण धीरे-धीरे अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। फिल्म को समीक्षकों से भले ही मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली हो, लेकिन दर्शकों की भीड़ सिनेमाघरों में लगातार बनी हुई है। पहले रविवार को 'राजा शिवाजी' के लगभग 5,800 शो लगाए गए, जो इसके मजबूत प्रदर्शन को दर्शाता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है और बॉक्स ऑफिस पर स्थिर कमाई कर रही है। यह फिल्म रितेश देशमुख के लिए बेहद खास प्रोजेक्ट मानी जा रही है, क्योंकि उन्होंने इसका निर्देशन करने के साथ-साथ इसमें अभिनय भी किया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन, जेनेलिया डिसूजा, विद्या बालन और संजय दत्त सहित कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। साथ ही इसमें सलमान खान का एक विशेष कैमियो भी है। इसके अलावा, रितेश के बेटे राहिल और रियान ने भी इस फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रखा है, जो फिल्म को और खास बनाता है।

मेट गाला 2026 में रेड कार्पेट पर आग लगाएंगे

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह

दुनिया के सबसे चर्चित फैशन इवेंट्स में से एक 'मेट गाला 2026' 4 मई को 'कॉस्ट्यूम आर्ट' थीम के साथ एक बार फिर आयोजित होने जा रहा है। 'फैशन के महाकुंभ' के नाम से मशहूर इस इवेंट में इस बार भारतीय सितारों की खास मौजूदगी देखने को मिलेगी। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपने अनोखे स्टाइल से रेड कार्पेट पर आकर्षण का केंद्र बन सकते हैं, वहीं करण जौहर भी पहली बार इस प्रतिष्ठित मंच पर नजर आएंगे। इस वर्ष इवेंट की सह-अध्यक्षता बेयोंसे, निकोल किडमैन और वीनस विलियम्स जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियां करेंगी। इसके अलावा मेहमानों की सूची में रिहाना, जेंडाया और लुईस हैमिल्टन जैसे बड़े नाम शामिल हैं, जिससे इस बार का आयोजन और भी भव्य होने की उम्मीद है। इस इवेंट का आधिकारिक लाइवस्ट्रीम वोग के यूट्यूब, टिकटॉक और वेबसाइट जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर किया जाएगा, जिसे भारत में दर्शक 5 मई की सुबह देख सकेंगे। यह आयोजन केवल फैशन का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि 'कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट' के लिए फंड जुटाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है, जो फैशन को एक कला के रूप में वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में अहम भूमिका निभाता है।

खुद पर बेवजह का दबाव न डालना ही महत्वपूर्ण: अदा शर्मा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि आज के तेजी से बदलते दौर में काम और निजी जिंदगी के बीच सही संतुलन बनाना हमेशा संभव नहीं हो पाता। अभिनेत्री ने हाल ही में काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाने की चुनौतियों पर खुलकर बात की है। उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस की तुलना जेंगा के खेल से की, जिसमें थोड़ा सा बदलाव भी पूरे ढांचे को बिगाड़ सकता है। अदा ने कहा कि यह जेंगा के खेल जैसा लगने लगता है। बस एक और शूट जुड़ता है और सब कुछ डगमगा जाता है। उनका कहना है कि परफेक्ट बैलेंस के पीछे भागने के बजाय, वह दिन को हल्के-फुल्के अंदाज में जीने पर ध्यान देती हैं। उनके लिए छोटे-छोटे पलों में खुशी ढूंढना और खुद पर बेवजह का दबाव न डालना ही सबसे महत्वपूर्ण है। अदा ने आगे कहा कि उन्होंने यह बात अच्छी तरह समझ ली है कि वह परफेक्ट बैलेंस बनाने में उतनी अच्छी नहीं हैं, लेकिन इतना जरूर कर लेती हैं कि पूरी तरह टूट न जाएं। वे कई बार पांच घंटे की नींद को भी सेहतमंद मान लेती हैं और उसी के सहारे अपना पूरा दिन आराम से निकाल लेती हैं। उनके लिए यह एक तरह की स्वीकृति है कि हर दिन आदर्श नहीं हो सकता, लेकिन फिर भी उसमें खुशियां ढूंढी जा सकती हैं। अदा ने यह भी बताया कि उनके लिए एक सफल दिन तब होता है जब वह समय पर शूट पूरा कर लें, हंस लें, समय पर खाना खा लें और सबसे महत्वपूर्ण बात, उन्हें याद रहे कि उन्होंने अपना फोन कहाँ रखा है। उनके मुताबिक, जीवन की ये छोटी-छोटी जीत ही असली वेलनेस हैं, जो व्यक्ति को मानसिक और भावनात्मक रूप से संतुष्ट रखती हैं। काम की बात करें तो 33 वर्षीय अभिनेत्री अदा शर्मा को हाल ही में फिल्म तुमको मेरी कसम में देखा गया था, जिसे विक्रम भट्ट ने डायरेक्ट किया है।

होर्मुज में फंसे पोतों को सुरक्षित निकालने में मदद करेगा अमेरिका: डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे अन्य देशों के पोतों को सुरक्षित निकालने में सोमवार से मदद करेगी। इसके साथ ही ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया में किसी भी तरह के हस्तक्षेप से सख्ती से निपटा जाएगा।ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का उद्देश्य उन विदेशी पोतों की मदद करना है जो पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम से किसी भी तरह जुड़े नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि इनमें से कई पोतों में भोजन, पेयजल और अन्य उन सभी आवश्यक चीजों की कमी हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने साथ ही कहा कि उनके प्रतिनिधियों की ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत जारी है जिससे ''सभी के लिए सकारात्मक'' परिणाम निकल सकता है। 'यूएस सेंट्रल कमांड' (सेंटकॉम) ने एक बयान में कहा, ''राष्ट्रपति के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान के तहत उन वाणिज्यिक पोतों की मदद की जाएगी जो इस अहम अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग से स्वतंत्र रूप से गुजरना चाहते हैं। दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का एक-चौथाई हिस्सा और ईंधन एवं उर्वरक उत्पादों की बड़ी मात्रा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरती है।'' सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा, ''क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए इस रक्षात्मक अभियान में हमारा सहयोग जरूरी है। इसके साथ ही हम नौसैनिक नाकेबंदी भी बनाए हुए हैं।'' 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' में अमेरिका की सैन्य सहायता के तहत निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत, जमीन एवं समुद्र से संचालित हो सकने वाले 100 से अधिक विमान और 15,000 सैन्यकर्मी शामिल होंगे। ओमान और ईरान के बीच स्थित संकरा समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य 28 फरवरी से बंद है। इसी दिन अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला किया था जिसके बाद युद्ध शुरू हुआ। ट्रंप ने कहा, ''पोतों की आवाजाही का मकसद केवल उन लोगों, कंपनियों और देशों को राहत देना है जिन्होंने कुछ गलत नहीं किया है। वे परिस्थितियों के शिकार हैं। यह अमेरिका, पश्चिम एशियाई देशों और खासकर ईरान की ओर से एक मानवीय पहल है।'' उन्होंने कहा, ''हमने इन देशों से कहा है कि हम उनके पोतों को इन प्रतिबंधित जलमार्गों से सुरक्षित बाहर निकालेंगे ताकि वे स्वतंत्र रूप से अपना कामकाज आगे बढ़ा सकें।'' ट्रंप ने कहा, ''अगर इस मानवीय प्रक्रिया में किसी भी तरह से हस्तक्षेप किया गया तो दुर्भाग्य से उससे सख्ती से निपटना पड़ेगा।'' अमेरिकी समाचार वेबसाइट 'एक्सियोस' ने खबर दी कि अमेरिका ने ईरानी अधिकारियों के नवीनतम प्रस्ताव के जवाब में युद्ध समाप्त करने के समझौते के लिए रविवार को एक और संशोधित मसौदा भेजा।

नेपाल: किसी भी भूमिहीन को बेघर नहीं किया जाएगा: पीएम

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में नदियों के किनारे और सरकारी जमीन पर बसी भूमिहीन बस्तियों को हटाने की कार्रवाई के बीच फैल रही आशंकाओं पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने स्पष्ट किया है कि सरकार का किसी भी नागरिक को बेघर करने का कोई इरादा नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक संदेश में उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन के अतिक्रमण वाले क्षेत्रों में कानून के अनुसार चल रही प्रबंधन प्रक्रिया को लेकर लोगों में योजनाबद्ध तरीके से डर फैलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपुष्ट जानकारी और भ्रम में न पड़ने की अपील की। प्रधानमंत्री बालेन्द्र ने स्पष्ट किया कि हाल के सरकारी कदमों का उद्देश्य भूमिहीन लोगों को सड़क पर लाना नहीं, बल्कि उनके आवास के अधिकार को सुनिश्चित करना है। उन्होंने जानकारी दी कि इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान में बाधा बन रहे भूमि संबंधी- 2021 के कुछ प्रावधानों को सरकार ने अध्यादेश के माध्यम से हटा दिया है। कानूनी बाधाएं हटने के बाद अब सरकार वास्तविक भूमिहीन नागरिकों की पहचान के लिए डिजिटल डेटा संग्रह, विवरण सत्यापन और स्पष्ट आधार पर अभिलेख तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। सरकार का विश्वास है कि इससे भूमिहीनों की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और समस्या का पारदर्शी व स्थायी समाधान संभव होगा। सरकार की योजना के अनुसार, जोखिम भरे और असुरक्षित स्थानों पर रह रहे लोगों को सुरक्षित और व्यवस्थित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाएगा। अन्य भूमिहीन नागरिकों के मामले में संबंधित आयोग की सिफारिश और संकलित आंकड़ों के आधार पर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी भरोसा दिलाया कि बस्ती प्रबंधन के नाम पर किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार के सभी कदम लोगों को हटाने के लिए नहीं, बल्कि समस्या का स्थायी समाधान निकालने के उद्देश्य से उठाए जा रहे हैं। संदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रत्येक भूमिहीन नागरिक के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थायी आवास सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने सभी से अनावश्यक घबराहट न फैलाने और न होने देने की अपील की।

अटलांटिक में क्रूज पर संदिग्ध हंता वायरस का प्रकोप: बुजुर्ग दंपति समेत तीन की मौत

केपटाउन। अटलांटिक महासागर में एक क्रूज जहाज पर संदिग्ध हंता वायरस के प्रकोप के कारण एक बुजुर्ग दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम तीन अन्य के बीमार होने की सूचना है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन और दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मामले की जांच जारी है और कम से कम एक मामले में हंता वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की इस स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती है, जबकि जहाज पर इसके लक्षण वाले दो अन्य मरीजों को वहां से निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। क्रूज का संचालन करने वाली नीदरलैंड की कंपनी के मुताबिक, जहाज फिलहाल अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित द्वीपीय देश केप वर्डे के पास खड़ा है। स्थानीय प्रशासन सहायता कर रहा है, लेकिन किसी को भी जहाज से उतरने की अनुमति नहीं दी गई है। कंपनी के अनुसार, बीमार लोगों में शामिल चालक दल के दो सदस्यों को तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि क्रूज पर 150 पर्यटक सवार थे। अर्जेंटीना से करीब तीन सप्ताह पहले रवाना हुआ नीदरलैंड के ध्वज वाला क्रूज 'एमवी होंडियस' स्पेन के कैनेरी द्वीप समूह की ओर जा रहा था। विभाग के अनुसार, जहाज पर पहली मौत 70 वर्षीय व्यक्ति की हुई, जिसका शव दक्षिण अटलांटिक में स्थित ब्रिटिश क्षेत्र सेंट हेलेना में उतारा गया। उसकी पत्नी दक्षिण अफ्रीका के एक हवाई अड्डे पर नीदरलैंड के लिए उड़ान पकड़ने पहुंची, जहां वह अचानक गिर पड़ी और नजदीकी अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई। डब्ल्यूएचओ ने कहा, "संगठन अटलांटिक महासागर में एक क्रूज से जुड़ी इस घटना से अवगत है और इसमें सहयोग कर रहा है। प्रयोगशाला परीक्षण और महामारी विज्ञान संबंधी जांच सहित विस्तृत जांच जारी है। यात्रियों और चालक दल को चिकित्सा सहायता दी जा रही है।" हंता वायरस मुख्य रूप से संक्रमित चूहों और मूषकों के मल-मूत्र के संपर्क से फैलता है। यह वायरस तब चर्चा में आया था, जब पिछले वर्ष न्यू मैक्सिको में अभिनेता जीन हैकमैन की पत्नी बेट्सी अराकावा की इसके संक्रमण से मृत्यु हो गई थी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार हंता वायरस का संक्रमण दुर्लभ है, लेकिन कुछ मामलों में यह व्यक्ति से व्यक्ति में भी फैल सकता है। इसका कोई विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है, हालांकि समय पर चिकित्सा मिलने से मरीज की जान बचाई जा सकती है।

केन्या में बाढ़ से 18 लोगों की मौत

नैरोबी। केन्या में लगातार जारी भारी बारिश के कारण हाल में आई बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अधिकतर लोगों की मौत डूबने से हुई है। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है। केन्या मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि मई के पहले दो सप्ताह में सामान्य से अधिक बारिश जारी रह सकती है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के दो व्यक्ति संघीय सिविल सेवा में होंगे शामिल

इस्लामाबाद। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के दो व्यक्तियों ने पाकिस्तान की संघीय सिविल सेवा में शामिल होने की योग्यता प्राप्त कर ली है, जहां सरकारी नौकरियों में ऐसे समूहों का प्रतिनिधित्व ऐतिहासिक रूप से कम है। सिंध प्रांत के जीवन रेबारी और खेम चंद जंडोरा उन 170 उम्मीदवारों में शामिल थे, जो बृहस्पतिवार को संघीय लोक सेवा आयोग (एफपीएससी) द्वारा घोषित परिणाम में केंद्रीय उच्च सेवा (सीएसएस) में शामिल होने के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं। 2023 की जनगणना के अनुसार, 38 लाख की कुल आबादी के साथ हिंदू पाकिस्तान में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है, जो अधिकतर सिंध प्रांत में रहते हैं। पाकिस्तान में केंद्रीय उच्च सेवाओं में अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व ऐतिहासिक रूप से कम है, जिसके चलते सरकार ने समावेश बढ़ाने के लिए 2025 में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसी पहल शुरू कीं। एफपीएससी के अनुसार, देशभर से 12,792 लोगों ने लिखित परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 355 उत्तीर्ण हुए, और आगे के दौरों के बाद चयनित उम्मीदवारों की कुल संख्या 170 रही। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित 123 सीटें खाली हैं, जो शीर्ष सूची में इन पुरुषों के शामिल होने के महत्व को और भी उजागर करता है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, खेम चंद के माता-पिता को अपने बेटे की शिक्षा के लिए उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेना पड़ा और गहने बेचने पड़े, जबकि जीवन, संसाधनों की कमी के कारण, एक गुरुद्वारे में शरण लेकर लंगर से अपनी जरूरतों को पूरा करता था। बताया गया कि खेम चंद जंडोरा समुदाय से संबंध रखते हैं। सिंधी समुदाय जंडोरा का नाम ₹जंडर₹ से लिया गया है, जिसका अर्थ है भारी पत्थर की चक्की। यह समुदाय गेहूं पीसने और आटा बेचने के लिए इस चक्की का उपयोग करता था। खेम चंद के पिता इस समुदाय के पहले ₹क्रांतिकारी₹ थे, क्योंकि शिक्षा प्राप्त करना विद्रोह और पैतृक कार्यों के साथ विश्वासघात माना जाता था। जीवन रेबारी की सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने अल्पसंख्यक कोटा का सहारा नहीं लिया, बल्कि उच्च शिक्षा के लिए सामान्य योग्यता के आधार पर सफलता हासिल की। जीवन एक ऐसे समुदाय से आते हैं जिसका ऐतिहासिक रूप से पशुपालन और चारा-पानी की तलाश में गांव-गांव भटकना ही मुख्य काम था। उन्होंने विश्वविद्यालय तक की शिक्षा सरकारी संस्थानों से प्राप्त की। उन्होंने 2021 में सिंध विश्वविद्यालय के विधि विभाग से एलएलबी की उपाधि प्राप्त की और फिर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए लाहौर चले गए। जीवन ने 2023 में पहली बार परीक्षा दी।